MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-04 ❖ अंक-06 ❖ मुंबई ❖ रविवार 29 जनवरी से 04 फरवरी 2023 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2021-2023

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

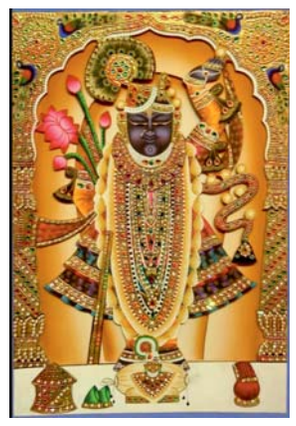

पेज 3

पुरानी पेंशन योजना लागू को लेकर सरकार सकरात्मक - देवेंद्र फ□डवीस

पेज 5

म्यूजिक अलबम के बाद दिशा गुप्ता फिल्मों में करेगी डेब्यू

पेज 7

फिल्म पठान की एडवांस बुकिंग की खबरों से दिल से खुस हूं : अजय देवगन

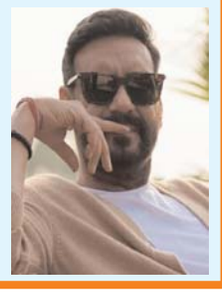

पेज 8

नरेश लालवानी होगें मध्य रेल के नये महाप्रबंधक

एक नजर

वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने 700 सीसीटीवी कैमरे लगाए

जम्मू। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित वैष्णो देवी मंदिर प्रशासन ने 700 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के नेटवर्क के साथ ई-निगरानी की व्यवस्था शुरू की है। अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि 2022 में 91.25 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन किये जो पिछले नौ साल में दर्शनार्थियों की सर्वाधिक संख्या है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग ने कहा, तीर्थयात्रियों की सुरक्षा श्राइन बोर्ड की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बोर्ड ने तीर्थयात्रियों पर नजर रखने, भीड़ प्रबंधन करने और निर्बाध पंजीकरण के लिए आरएफआईडी आधारित यात्रा कार्ड जारी करना शुरू कर दिया है। सीईओ ने कहा, आरएफआईडी से तीर्थयात्रियों की प्रणाली में 700 से अधिक कैमरों के विशेष सीसीटीवी नेटवर्क के माध्यम से ई-निगरानी शामिल है।

देश के 53 'टाइगर रिजर्व' में हैं 2,967 बाघ

नई दिल्ली। केंद्र ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि 2018 की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश के 53 'टाइगर रिजर्व' में 2,967 बाघ हैं। शीर्ष न्यायालय अधिवक्ता अनुपम त्रिपाठी द्वारा 2017 में दायर की गई एक याचिका पर सुनवाई कर रही है। याचिका में विलुप्तप्राय बाघों को बचाने का अनुरोध किया गया है, जिनकी संख्या देश में घटती जा रही है। अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने न्यायमूर्ति के.एम. जोसेफ और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ को बताया कि बाघों के संरक्षण और उनकी संख्या बढ़ाने के लिए काफी कार्य किया गया है। शीर्ष न्यायालय ने इस दलील का संज्ञान लिया और विषय को मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया क्योंकि त्रिपाठी न्यायालय में उपस्थित नहीं थे। पीठ ने कहा, 'एएसजी ऐश्वर्या भाटी की दलील सुनी। 2018 की गणना के मुताबिक, भारत के 53 टाईगर रिजर्व में 2,967 बाघ हैं।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह होंगे महाराष्ट्र के नए राज्यपाल

मुंबई: पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह महाराष्ट्र के नए राज्यपाल होंगे। पंजाब की कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री रहे कैप्टन अमरिंदर सिंह पंजाब विधानसभा चुनाव के कुछ समय पहले कांग्रेस से अलग हो गए थे। इसके बाद वह बीजेपी में शामिल हुए थे। वहीं अब कैप्टन अमरिंदर सिंह को महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाए जाने का ऐलान उनके लिए बड़ा तोहफा बना जा रहा है। दरअसल महाराष्ट्र के मौजूदा राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने पद छोड़ने की इच्छा जताई थी। इसके बाद अमरिंदर सिंह को राज्यपाल बनाने का फैसला किया गया है। कोश्यारी छत्रपति शिवाजी को लेकर अपनी टिप्पणी के कारण लगातार विपक्ष के निशाने पर रहे। इसके चलते उन्होंने पद से हटने की तैयारी की थी। भगत सिंह कोश्यारी ने सोमवार को कहा था कि माननीय प्रधानमंत्री के हालिया मुंबई दौरे के दौरान मैंने सभी राजनीतिक दायित्वों से मुक्त होने और बाकी जीवन पढ़ने-लिखने और अन्य गतिविधियों में बिताने की अपनी इच्छा के बारे में बताया था। उन्होंने कहा कि वह अपने जीवन का बाकी समय पढ़ने-लिखने समेत अन्य गतिविधियों में बिताना चाहेंगे।

लोकसभा चुनाव से महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन की शुरूआत होगी?

शिंदे-फडणवीस गठबंधन को लग सकता है तगड़ा झटका?

मुंबई: महाराष्ट्र में फिलहाल महानगरपालिका चुनाव की तैयारियां शुरू हैं। बीएमसी समेत राज्य में कई महानगरपालिका के चुनाव आने वाले दिनों में होने हैं। इसी बीच एक बड़ी खबर आई है। दरअसल इंडिया टुडे और सी वोटर (मूड ऑफ नेशन) द्वारा किए गए सर्वे के मुताबिक महाराष्ट्र समेत पूरे देश में एनडीए को झटका लग सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक इसका सीधा असर महाराष्ट्र में शिंदे-बीजेपी गठबंधन (Shinde-BJP Alliance) को भी होगा। सर्वे की माने तो इस गठबंधन को आगामी लोकसभा चुनाव में नुकसान होने की बात कही गई है। राज्य में फिलहाल एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस की सरकार है। वहीं शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस पार्टी ने मिलकर महाविकास अघाड़ी का निर्माण किया है। यदि आज राज्य में लोकसभा चुनाव हुए तो यूपीए यानी महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी गठबंधन को 34 जगहों पर जीत मिलने की बात इस सर्वे में कही गई है। साल 2019 के लोकसभा चुनावों में यूपीए को महाराष्ट्र के 5 सीटें मिली थी। कुछ

महीने पहले राज्य में सत्ता संघर्ष के दौरान एकनाथ शिंदे अपने समर्थक विधायकों के साथ शिवसेना से अलग हो गए थे। तब उनके साथ और 12 सांसद भी पार्टी छोड़कर चले गए थे। शिंदे-फडणवीस में सरकार के सत्ता में आने के बाद बीजेपी और भी सक्रिय और आक्रमक हुई है। सर्वे में यूपीए को 48 में से 34 जगह मिलने की बात बीजेपी ने राज्य में मिशन 45 की घोषणा दी थी लेकिन मूड ऑफ नेशन के सर्वे में यूपीए को 48 में से 34 जगह मिलने की बात कही है। इसका मतलब साफ है कि एनडीए को आगामी लोकसभा चुनाव में 45 नहीं बल्कि सिर्फ 14 सीटें मिलेंगी। इस सर्वे की वजह से शिंदे सरकार और बीजेपी की टेंशन बढ़ी हुई है। इस सर्वे में कुल एक लाख 40 हजार 917 लोगों ने हिस्सा लिया था।

भारत जोड़ो यात्रा: सुरक्षा को लेकर खरगे ने अमित शाह को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारत जोड़ो यात्रा में शामिल यात्रियों को समुचित सुरक्षा देने की मांग को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने चिट्ठी में कांग्रेस पार्टी की तरफ से कई मांगें रखी हैं। खरगे ने इस मामले में अमित शाह से व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने की अपील की है और संबंधित अधिकारियों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने के लिए निर्देश जारी करने के लिए भी कहा है। बता दें कि शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा कारणों के चलते राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा को स्थगित कर दी थी। खरगे ने चिट्ठी में लिखा कि मैं आपको यह पत्र आज भारत जोड़ो यात्रा के

दौरान दुर्भाग्यपूर्ण सुरक्षा चूक के संबंध में लिख रहा हूं, जिसके बारे में आप पहले से ही जानते होंगे। राहुल गांधी की सुरक्षा व्यवस्था के प्रभारी सुरक्षा अधिकारियों की सलाह पर यात्रा को शुक्रवार को स्थगित करना पड़ा। हम जम्मू-कश्मीर पुलिस की सराहना करते हैं और उनके बयान का स्वागत करते हैं क्योंकि उन्होंने यात्रा के समापन तक पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने का भरोसा दिया है। बहरहाल, आप इस बात की सराहना करेंगे कि प्रतिदिन भारत जोड़ो यात्रा में आम लोगों की भारी भीड़ शामिल हुई है और चली है। आयोजकों के लिए यह बताना मुश्किल है कि पूरे दिन में कितने लोगों के आने की उम्मीद है क्योंकि यह यात्रा में शामिल होने के लिए आम लोगों का सहज भाव है। खरगे ने लिखा कि हम अगले दो दिनों में यात्रा में शामिल होने के लिए एक विशाल सभा की उम्मीद कर रहे हैं और 30 जनवरी को श्रीनगर में होने वाले समारोह की भी उम्मीद कर रहे हैं। 30 जनवरी को होने वाले समापन समारोह में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और अन्य महत्वपूर्ण राजनीतिक दलों के नेता शामिल हो रहे हैं। यदि आप व्यक्तिगत रूप से इस मामले में हस्तक्षेप कर सकते हैं और सलाह दे सकते हैं तो मैं आभारी रहूंगा। संबंधित अधिकारियों को यात्रा के समापन तक पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश जारी करें।

कसबा उपचुनाव : भाजपा से ये 5 नेता उम्मीदवारी की दौड़ में

पुणे। 'कस्बा विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए क्षेत्रीय स्तर पर पांच नाम अधिसूचित किए गए हैं। राज्य स्तरीय बैठक के बाद तीन नामों को फाइनल कर दिल्ली भेजा जाएगा। उसके बाद, उम्मीदवार की घोषणा एक या दो तारीखों में की जाएगी, 'पालक मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने शुक्रवार को बताया। कसबा विधानसभा उपचुनाव के मौके पर पुणे शहर भारतीय जनता पार्टी की बैठक हुई। नगर अध्यक्ष जगदीश मुलिक, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय काकड़े, विधायक माधुरी मिसल, धीरज घाटे, हेमंत रसाने, गणेश बिडकर, राजेश पांडेय, शैलेश तिलक, राघवेंद्र मानकर, अर्चना पाटिल आदि मौजूद रहे। पाटिल ने कहा, 'राजनीतिक समीकरण चाहे जो भी बने, एक कसबा निर्वा चन क्षेत्र है जहां बीजेपी जीतेगी। सांसद गिरीश बापट ने कस्बायत में मजबूत पार्टी बनाकर यह किला बनवाया है। उपचुनाव के लिए नियुक्त राजनीतिक समिति की अध्यक्षता माधुरी मिसाल, संगठनात्मक समिति की अध्यक्षता राजेश पांडेय, जबकि प्रबंधन समिति की अध्यक्षता प्रमोद कोंढ़े करेंगे। हम चुनाव को निर्विरोध कराने की कोशिश करेंगे।

बिजली के बिलों में होगी भारी बढ़ोतरी

मुंबई। करीब 1500 करोड़ रुपये का घाटा झेल चुकी 'महावितरण' कंपनी ने बिजली उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ डालने का फैसला किया है। इसके मुताबिक, कंपनी ने आगामी बिजली दरों की समीक्षा में महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग को 37 प्रतिशत शुल्क वृद्धि का प्रस्ताव सौंपा है। इसलिए, 2024-25 में 15 प्रतिशत की और वृद्धि प्रस्तावित है। इस प्रस्ताव से घरेलू, पेशेवर, किसान सभी श्रेणियों को कीमतों में बढ़ोतरी का झटका लगने की संभावना है। बिजली वितरण कंपनियों के ग्राहकों के लिए बिजली की दरें पांच साल की हैं; फिर इन दरों की मध्यावधि समीक्षा की जाती है। मौजूदा दरें 1 अप्रैल, 2020 से लागू हैं। तदनुसार, अब उनकी मध्यावधि समीक्षा की जा रही है, और ये दरें इस वर्ष 1 अप्रैल से लागू होंगी। उसके तहत 'महावितरण' ने कीमतों में भारी बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा है। इन नई दरों के अनुसार, घरेलू उपभोक्ताओं के लिए न्यूनतम दर 2023-24 (1 अप्रैल से) के लिए मौजूदा न्यूनतम दर 3.36 रुपये प्रति यूनिट से 4.50 रुपये प्रति यूनिट होगी; जबकि मौजूदा अधिकतम दर 11.86 रुपये प्रति यूनिट अब 16.60 रुपये प्रति यूनिट प्रस्तावित है।

भारत-पाक: क्या शुरू होगी वार्ता

भारत- पाकिस्तान के बीच रिश्ते काफी समय से ठीक नहीं है। एक दो सम्मेलनों या समिट को छोड़ दिया जाए तो दोनों के बीच काफी दिनों से द्विपक्षीय वार्ता भी नहीं हुई है। इसकी मुख्य वजह है आतंकवाद। इस बीच भारत में SCO समिट है। भारत ने इसके लिए पाकिस्तान को भी न्योता भेजा है। शंघाई कोऑपरेशन संगठन (एससीओ) के मौजूदा अध्यक्ष के रूप में भारत ने सभी सदस्य राष्ट्रों को इसके विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने का आमंत्रण भेजा है। जो बात आमंत्रण की इस औपचारिक कवायद को खास बना रही है वह यह कि इसमें पड़ोसी देश पाकिस्तान भी शामिल है। हालांकि अभी यह साफ नहीं हुआ है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री इस आमंत्रण को स्वीकार करके बैठक में शामिल होने भारत आएंगे या नहीं। पाकिस्तान में इसी साल चुनाव हैं और वहां की राजनीति में भारत विरोध का फैक्टर जितनी अहम भूमिका में होता है, उसके मद्देनजर जानकार इसे मुश्किल ही बता रहे हैं, लेकिन अगर वह आते हैं तो 2015 के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच विदेश मंत्री स्तर की यात्रा का यह पहला मौका होगा। तब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज 'हार्ट ऑफ एशिया' कॉन्फ्रेंस में शामिल होने पाकिस्तान गई थीं। उसी यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कॉम्प्रिहेंसिव बाइलैटरल डायलॉग प्रॉसेस शुरू हुआ, जिसकी बदौलत वह पल भी आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले से निर्धारित कार्यक्रम के बगैर पाकिस्तान के तत्कालीन पीएम नवाज शरीफ के घर पहुंचे। लेकिन उसके बाद पाकिस्तान की ओर से 2016 से 2019 के बीच पठानकोट, उरी और फिर पुलवामा में हुए आतंकी हमलों ने दोनों देशों के रिश्तों में दरार डाल दी। भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर में सर्जिकल स्ट्राइक और सीमा पार के टेरर कैंपों पर हवाई हमले के रूप में इन आतंकी हमलों का जवाब दिया, जिससे तनाव में और बढ़ोतरी हुई। इस बीच 5 अगस्त 2019 को भारत ने अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को हासिल विशेष दर्जा समाप्त करने का फैसला किया, जिसे पाकिस्तान ने संबंधों के सामान्य होने की राह में एक और रोड़ा करार दिया। इसके बाद पाकिस्तान ने यह शर्त लगा दी कि इस फैसले को वापस लिए जाने के बाद ही दोनों देशों में बातचीत हो सकती है। बहरहाल, अच्छी बात यह है कि हाल में मिले कुछ संकेत नए सिरे से रिश्तों में बेहतरी की उम्मीद बंधा रहे हैं। जब कुछ ही दिनों पहले पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने संयुक्त अरब अमीरात के एक चैनल को दिए इंटरव्यू में दोनों देशों के बीच हुए चार युद्धों से मिली सीख का हवाला देते हुए भारत से बातचीत शुरू करने की इच्छा जताई। उन्होंने कश्मीर मसले का जिक्र जरूर किया, लेकिन अनुच्छेद 370 से जुड़ा फैसला वापस लेने की मांग नहीं दोहराई। ध्यान रहे, अफगानिस्तान की ओर से डुरंड लाइन पर बढ़ते दबाव के मद्देनजर भारत से रिश्ते सुधारने की पाकिस्तान की जरूरत बढ़ गई है। दूसरी ओर, लद्दाख में चीन से लगती एलएसी (वास्तविक नियंत्रण रेखा) पर जारी गतिरोध को और तवांग में हालिया तनाव को देखते हुए पाकिस्तान के साथ एलओसी पर सामान्य स्थिति भारत के लिए भी बेहतर होगी।

बीएमसी पोल पर असर?

किरीट ए. चावड़ा

महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री के सामने पद छोड़ने की इच्छा जताई है। क्या इसका असर मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव पर होगा?

महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने मंगलवार को जिस तरह से सार्व जनिकतौर पर पद छोड़ने की इच्छा जताई, उसे अचानक जरूर कहा जा सकता है, लेकिन अप्रत्याशित नहीं। पिछले कुछ समय से उन्हें पद से हटाए जाने की मांग काफी तेज हो गई थी और सत्तारूढ़ बीजेपी भी उनका बचाव करने में खुद को असहज पा रही थी। करीब तीन साल का उनका कार्यकाल बयानों से उपजे विवादों और विपक्ष की ओर से लगते आरोपों की वजह से चर्चित रहा। राज्यपाल के रुख से अगर उद्धव ठाकरे नीत महाविकास आघाड़ी की पिछली सरकार परेशानी महसूस करती रही तो उसमें कोई खास बात नहीं मानी जाएगी। पिछले कुछ समय से यह ट्रेंड कई राज्यों में देखने में आ रहा है, खासकर उन राज्यों में जहां सरकार गैर-बीजेपी दलों की है। यहां खास बात यह रही कि राज्यपाल के बयानों ने जाने-अनजाने राजनीतिक दायरे से बाहर आम लोगों की भावनाओं को भी ठेस पहुंचाई। और ऐसा एक बार नहीं, कई बार हुआ। कभी वह किसी विडियो में जाने माने समाजसेवी ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई की बचपन में हुई शादी का मजाक उड़ाते दिखे तो कभी कह दिया कि अगर मारवाड़ियों और गुजरातियों को हटा दिया जाए तो मुंबई देश की वित्तीय राजधानी नहीं रह जाएगी। पिछले साल नवंबर में उन्होंने एक समारोह में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज पुराने दौर के नायक थे। नए दौर के नायकों के रूप में उन्होंने बाबा साहब आंबेडकर और नितिन गडकरी का नाम लिया। इसकी राज्य में स्वाभाविक ही तीखी प्रतिक्रिया हुई। बीजेपी के अंदर भी एक तबके की यह राय बनती जा रही थी कि अगर नेतृत्व ने जल्द कोई फैसला नहीं लिया तो इन बयानों का खामियाजा पार्टी को भी भुगतना पड़ेगा। गौर करने की बात है कि राज्यपाल कोश्यारी की यह घोषणा ऐसे समय आई है, जब मुंबई के

महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों को दो महीने भी नहीं रह गए हैं। एशिया की सबसे अमीर महानगरपालिका के ये चुनाव न केवल शिवसेना और उससे अलग हुए एकनाथ शिंदे गुट बल्कि बीजेपी के लिए भी खासे अहम हैं। 2017 के चुनावों में बीजेपी और शिवसेना एक साथ लड़ी थीं और 227 सीटों में से शिवसेना ने 95 तो बीजेपी ने 82 सीटें जीती थीं। इस बार न केवल बीजेपी और शिवसेना अलग-अलग हैं बल्कि शिवसेना का एक धड़ा भी टूटकर बीजेपी से जा मिला है। पारंपरिक तौर पर मुंबई महानगरपालिका पर कब्जा शिवसेना की ताकत का मुख्य स्रोत रहा है। इस बार शिवसेना को अगर यह साबित करना है कि विभाजन में सिर्फ विधायक और सांसद ही शिंदे के साथ गए हैं, शिवसैनिक और वोटर उद्धव ठाकरे के साथ बने हुए हैं तो उसे हर हाल में मुंबई महानगरपालिका चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। जाहिर है, बीजेपी भी राज्यपाल कोश्यारी के बयानों से होने वाले संभावित नुकसान की समय रहते भरपाई करना चाहेगी। मगर नजरें अब इस बात पर टिकी हैं कि केंद्र सरकार राज्यपाल की इच्छा के मद्देनजर वैकल्पिक व्यवस्था कितनी जल्दी कर पाती है।

तमिलगम के नाम पर क्यों चढ़ा पारा

गणेश पाण्डेय

तमिलनाडु को तमिलगम कहने भर से प्रदेश की राजनीति में बवाल मच गया है। यह मुद्दा अब राज्यपाल आरएन रवि बनाम DMK की अगुवाई वाली राज्य सरकार का न होकर पूरे राज्य का सियासी मुद्दा बन गया है। अब इसमें अस्मिता से लेकर दिल्ली बनाम दक्षिण का मुद्दा भी तलाशा जाने लगा है। DMK आरोप लगाने लगी कि राज्यपाल बीजेपी और आरएसएस का अजेंडा प्रदेश में लागू करना चाहते हैं। यह बवाल ऐसे समय में उठा है जब बीजेपी दक्षिण भारत खासकर तमिलनाडु में पांव जमाने की पूरी कोशिश कर रही है। शायद यही वजह है कि बीजेपी इस मामले में फूंक-फूंक कर कदम आगे रख रही है और हड़बड़ी में कोई भी फैसला नहीं लेना चाहती है। लेकिन DMK इस मामले में खुद के लिए अवसर देख रही है। दिलचस्प बात है कि यह ऐसा मुद्दा है जिसे कभी D M K संस्थापक करुणानिधि ने भी सपोर्ट किया था।

नाम बदलने की कोशिश पर बवाल राजनीतिक विश्लेषक एसके सुरेश का कहना है कि यह सिर्फ राजनीतिक दाव-पेच की लड़ाई है। यह एक सोची-समझी राजनीति लगती है। राज्यपाल के अभिभाषण से अंशों को निकालने की राजनीति पीछे चली गई, मगर तमिलनाडु का नाम बदलने पर राजनीति गरमा गई। इससे पता चलता है कि तमिलनाडु में राजनीति की लड़ाई में किस तरह के दाव-पेच इस्तेमाल में लाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु को तमिलगम कहने के पीछे राज्यपाल की मंशा को समझा जा सकता है। वह यूं ही इस मसले को नहीं उछाल रहे। राज्यपाल आरएन रवि की यह बात काफी कुछ दास्तान खुद ही बयान करती है। राज्यपाल ने कहा कि तमिलनाडु की सोच कुछ अलग है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो जब भी कोई चीज पूरे देश में लागू होती है तो तमिलनाडु का जवाब होता है ना। तमिलनाडु की यह आदत सी बन गई है। तमिलनाडु को यह सोच बदलनी होगी। सच की जीत होनी चाहिए। तमिलनाडु के लिए तमिलगम ही उपयुक्त शब्द है।

उनके इस बयान के पीछे राजनीतिक निहितार्थ माने गए। माना गया कि कहीं न कहीं बीजेपी की भी उनकी बातों से सहमति है। तर्क दिया कि इस तरह की मांग पहले भी उठती रही है और प्रदेश के कई नेता भी ऐसी मांग कर चुके हैं। तो फिर इस बार इतना बवाल क्यों हो रहा है? DMK ने आरोप लगाया कि बीजेपी को द्रविड़ियन संस्कृति से दिक्कत है। दरअसल तमिलनाडु की राजनीति पिछले

कई सालों से इसी मुद्दे के इर्द-गिर्द घूमती रही है, जिसमें राष्ट्रीय राजनीति का हस्तक्षेप नहीं के बराबर रहा। बीजेपी को लगता है कि इसमें राष्ट्रवाद का जब तक हस्तक्षेप नहीं होगा, तब तक इस पारंपरिक राजनीति की दिशा को मोड़ना संभव नहीं है। ऐसे में मौजूदा विवाद को DMK ने बीजेपी की उसी पुरानी कोशिश के रूप में ले रहा है। इसी क्रम में DMK ने बेहद आक्रामक पलटवार करने की कोशिश की। तमिलनाडु का मतलब है तमिलों का प्रदेश। तमिलगम का अर्थ है तमिल लोगों का निवास। 1938 में पहली बार द्रविड़ आंदोलन के जनक पेरियार रामास्वामी ने तमिलगम शब्द का इस्तेमाल किया था। D M K दरअसल शुरू में तमिलों के लिए अलग राष्ट्र की मांग करती रही है। ऐसे में उसने मौन रूप से इस शब्द का समर्थन किया। मगर राज्य का नाम तमिलनाडु रखे जाने के बाद उसने अलग राष्ट्र की मांग छोड़ दी। अब इसी नाम को उठाकर राज्यपाल आरएन रवि ने DMK पर राष्ट्रवाद को लेकर कटाक्ष किया है। इसको DMK बर्दाश्त नहीं कर पा रही है। दरअसल तमिलगम के जरिए DMK पर एक तीर से कई निशाने साधे गए हैं। DMK दलितों और गरीबों की पार्टी होने का दावा करती है, मगर तमिलगम शब्द इस बात की याद दिलाता है कि DMK तो भारत से अलग होना चाहती थी। वह तो अलग राष्ट्र की मांग की समर्थक थी। इसके अलावा D M K सिर्फ तमिलों को ही तमिलवासी मानती है, अन्य प्रदेशों के लोगों के लिए उसके दिल में जगह नहीं है। हाल ही में जब तमिलनाडु के सुपर स्टार रजनीकांत के प्रदेश राजनीति में आने की सुगबुगाहट सुनाई पड़ी थी तब D M K ने तमिल फॉर तमिलियन का नारा दिया था।

बीजेपी की बदली हुई रणनीति

ऐसे में DMK को लग रहा है कि अगर इस मामले को इसी तरह से छोड़ दिया तो उत्तर भारत की तरह बीजेपी तमिलनाडु में राष्ट्रवाद की राजनीति शुरू कर देगी, क्योंकि हिंदुत्व की राजनीति से उसको तमिलनाडु में ज्यादा फायदा नहीं हो रहा है। राजनीतिक विश्लेषक एम. वेंकटेश कहते हैं कि हिंदुत्व की राजनीति में अम्मा यानी जयललिता की पार्टी AIADMK के पलानीस्वामी और पन्नीरसेल्वम खुलकर बीजेपी का साथ नहीं दे रहे हैं। तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में हार के बाद AIADMK नेता पन्नीरसेल्वम ने खुलकर कहा था कि अगर चुनाव के बाद बीजेपी से गठबंधन करने की रणनीति पर चलते, तो हम चुनाव जीत सकते थे। चुनाव पूर्व बीजेपी से गठबंधन से नुकसान हुआ। अल्पसंख्यकों और दलितों के वोट हमें नहीं पड़े। उस समय बीजेपी ने पन्नीरसेल्वम की बात को नजरअंदाज किया था, मगर अब उसे लग रहा है कि उत्तर भारत की राजनीति दक्षिण में नहीं चल सकती है। यही कारण है कि अब बीजेपी हिंदुत्व की राजनीति के साथ राष्ट्रवाद की राजनीति को यहां हवा दे रही है। इस पर AIADMK नेता पलानीस्वामी और पन्नीरसेल्वम उसके साथ आ सकते हैं। वैसे बीजेपी इस बात का संकेत दे चुकी है कि तमिलनाडु विधानसभा का अगला चुनाव D M K और बीजेपी तथा उसके सहयोगी पार्टियों के बीच होगा। यानी A I A D M K की भूमिका सहयोगी पार्टी की होगी। ऐसे में यह मुद्दा आगे भी जारी रहेगा।

वोटर कैसे संवारें लोकतंत्र का फ्यूचर

भूपेन्द्र पटेल

भारत निर्वा चन आयोग (ईसीआई) की स्थापना संविधान पर हस्ताक्षर के अगले दिन और पहले गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर यानी 25 जनवरी, 1950 को हुई थी। संविधान सभा ने आयोग को अनुच्छेद 324 के तहत संवैधानिक दर्जा दिया ताकि यह पूरी आजादी से काम कर सके। इस संस्था की काबिलियत, निष्पक्षता और विश्वसनीयता अब तक हुए 17 लोकसभा चुनावों, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पदों के 16 चुनावों, 399 विधानसभा चुनावों में दिखती है। भारत में इलेक्शन रिजल्ट्स को लेकर कभी विवाद नहीं रहा और अलग-अलग इलेक्शन पिटिशनों पर संबंधित हाईकोर्ट फैसले भी देते रहे हैं। 25 जनवरी को मनाए जाने वाले स्थापना दिवस को 2011 से राष्ट्रीय मतदाता दिवस (एनवीडी) के रूप में भी मनाते हैं। इसका उद्देश्य भारत के नागरिकों को यह बताना है कि वोटर के रूप में उनके अधिकार और दायित्व क्या हैं। अधिकार बनाम कर्तव्य

एक जिंदा लोकतंत्र में चुनावों का स्वतंत्र, निष्पक्ष, नियमित और भरोसेमंद होना ही काफी नहीं है। उन्हें वोटरों की पूरी सहभागिता भी होनी चाहिए ताकि शासन व्यवस्था पर उनका पूरा असर दिखे। महात्मा गांधी ने कहा था, 'अगर कर्तव्यों का पालन न करके हम अधिकारों के पीछे भागते हैं, तो वे नायाब चीज की तरह हमारी पकड़ से निकल जाते हैं।'

भारत में 94 करोड़ से अधिक रजिस्टर्ड वोटर हैं, फिर भी पिछले आम चुनावों (2019) में 67.4 फीसदी वोटिंग हुई। ये आंकड़े बहुत कुछ किए जाने की गुंजाइश बताते हैं। इनमें चुनौतियां भी हैं तो इनसे निपटने के उदाहरण भी।

पहली चुनौती है कि बूथ से गायब रहने वाले 30 करोड़ वोटरों को कैसे प्रेरित करें। वोटरों के बूथ से गायब रहने की कई वजहें हैं, जैसे शहरी उदासीनता, युवा उदासीनता, घरेलू प्रवासन वगैरह।

जिन उदार लोकतंत्रों में रजिस्ट्रेशन और वोटिंग स्वैच्छिक है, उनके उनके अनुभव से स्पष्ट है कि वोटरों को

प्रेरित कर और अधिक से अधिक सुविधाएं प्रदान कर मतदान केंद्र तक लाना सबसे अच्छा तरीका है। यह कम मतदान वाले निर्वा चनक्षेत्रों और कम मतदान करने वाले समूहों पर ध्यान दिए जाने की जरूरत पैदा करता है।

आयोग ने अस्सी वर्ष और उससे अधिक आयु के दो करोड़ से अधिक मतदाताओं, 85 लाख पीडब्ल्यूडी मतदाताओं और 47,500 से अधिक थर्ड जेंडर के वोटरों का रजिस्ट्रेशन करने के लिए पहले से मौजूद सिस्टम को संस्थागत स्वरूप दिया है।

हाल में ही मैंने दो लाख से अधिक शतायु मतदाताओं को खुद चिट्ठी भेजकर उन सबका शुक्रिया अदा किया। 5 नवंबर, 2022 को मैंने हिमाचल प्रदेश के कल्पा में दिवंगत श्याम सरन नेगी को श्रद्धांजलि दी। नेगी जी भारत के पहले मतदाता थे। 2000 के आसपास और उसके बाद पैदा हुई पीढ़ी हमारी वोटर लिस्ट में आने लगी है। वोटर के रूप में उनकी भागीदारी लगभग पूरी सदी के दौरान लोकतंत्र का भविष्य बनाएगी। इसलिए जरूरी है कि वोटिंग एज से पहले स्कूल लेवल पर ही उनमें लोकतंत्र का बीजारोपण हो जाए।

युवाओं को कई चीजों के जरिए जोड़ा जा रहा है ताकि उन्हें पोलिंग बूथों तक लाया जा सके। यही हाल शहरी वोटरों का भी है जिनमें वोटिंग के प्रति उदासीनता देखने को मिल रही है।

ईसीआई हर वोटिंग सेंटर पर शौचालय, बिजली, पेयजल, रैंप जैसी सुविधाएं देने में लगा है। आयोग इस बात को लेकर गंभीर है कि स्कूलों में तैयार की जा रही सुविधाएं स्थायी स्वरूप की होनी चाहिए।

लोकतंत्र में वोटरों को अधिकार है कि वे उम्मीदवारों का पूरा बैकग्राउंड जानें। इसी वजह से उम्मीदवारों के लिए नियम बनाया गया कि उनके खिलाफ अगर कोई क्रिमिनल केस चल रहा है तो उसकी सूचना अखबारों में दी जाए।

इसी तरह जहां हर राजनीतिक दल को अपने घोषणापत्र में कल्याणकारी उपायों का वादा करने का अधिकार है, तो वोटरों को भी यह अधिकार है कि वे उससे राजकोष पर पड़ने वाले वित्तीय प्रभाव को जानें।

हालांकि बाहुबल पर काफी हद तक अंकुश लगा दिया गया है, फिर भी कुछ ऐसे राज्य हैं जहां चुनावी हिंसा मतदाता के स्वतंत्र विकल्प में बाधा डालती है। लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

चुनावों में धन शक्ति पर लगाम लगाना कहीं बड़ी चुनौती बना हुआ है। मतदाताओं को दिया जा रहा प्रलोभन इतना बड़ा है कि कि कुछ खास राज्यों में इस पर गंभीरता से काम करना होगा। हालांकि रेकॉर्ड बरामदगी देखने को मिली है, फिर भी निष्ठावान और सतर्क मतदाताओं का कोई विकल्प नहीं हो सकता है।

सी-विजिल जैसे मोबाइल ऐप से आम नागरिक को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की घटनाओं की सूचना देने में मदद मिली है, जिससे इलेक्शन ऑब्जर्वरों को तुरंत कार्रवाई (100 मिनट के भीतर) शुरू करने में मदद मिली है।

लड़ाई फेक न्यूज से

भरोसेमंद इलेक्शन रिजल्ट से लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को बरकरार रखना और उन्हें ताकतवर बनाना दुनिया भर में प्राथमिकता बना हुआ है। जिस पैमाने और स्पीड से सोशल मीडिया फर्जी चीजें फैला सकता है, उससे इलेक्शन मैनेजमेंट में टेक्नॉलजी की दूसरी चीजें बेअसर हो सकती हैं। हर चुनाव से पहले सैकड़ों फर्जी मल्टीमीडिया कंटेंट फैलाया जाता है। चुनाव बाद भी यह कंटेंट मौजूद रहता है, खासकर ऐसी सामग्री जिसमें प्रमुख निर्वा चन प्रक्रियाओं पर प्रहार किया गया हो। दुनिया भर में यह उम्मीद बढ़ रही है कि सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म इस तरह की चीजों को रेड फ्लैग करने के लिए कम से कम अपनी विस्तृत एआई क्षमताओं का सक्रिय रूप से उपयोग करें। राष्ट्रीय मतदाता दिवस चुनावों को समावेशी, सहभागी, मतदाता-हितैषी और नीतिपरक बनाने में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करने के आयोग के संकल्प को दर्शाता है। 13वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस (2023) की थीम 'वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम' है। जब नागरिक अपने नागरिक दायित्व के रूप में मतदाता होने पर गर्व महसूस करेंगे, तब शासन के स्तर पर इसका असर निश्चित रूप से महसूस किया जाएगा।

देवेन भारती सहित चार को राष्ट्रपति पुलिस पदक

महाराष्ट्र के 74 पुलिसकर्मियों को पुलिस पदक

मुंबई। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को राष्ट्रपति पुलिस पद की घोषणा की गई। महाराष्ट्र के 74 पुलिसकर्मियों को पुलिस पदक देने की घोषणा की गई है। मुंबई के विशेष पुलिस आयुक्त देवेन भारती (Deven Bharti) सहित चार पुलिसकर्मियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक (President's Police Medal) मिले हैं। इसके अलावा 31 लोगों को पुलिस शौर्य पदक तथा 39 को पुलिस पदक से नवाजा गया है। देश के चार अधिकारियों को विशेष सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जाएगा। प्रदेश के चार अधिकारियों को विशेष सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रपति पुलिस

पदक पाने वाले चार पुलिस अधिकारियों में मुंबई के विशेष पुलिस आयुक्त देवेन भारती, महाराष्ट्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अनूप कुमार सिंह, मुंबई के पुलिस उप-निरीक्षक (वरिष्ठ खुफिया अधिकारी, राज्य खुफिया विभाग, मुंबई) संभाजी देशमुख और ठाणे के पुलिस उपनिरीक्षक दीपक जाधव शामिल हैं।

31 अधिकारी-कर्म चारियों को राष्ट्रपति वीरता पदक से सम्मानित किया जाएगा। देशभर के विभिन्न राज्यों के कुल 901 पुलिसकर्मियों को पुलिस पदक देने की घोषणा की गई। 140 लोगों को वीरता के लिए पुलिस पदक, 93 लोगों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक और 668 लोगों को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। 40 वीरता पुरस्कारों में से सबसे अधिक पुरस्कार 80 जवानों को आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों में काम करने के लिए दिए जाएंगे। जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में कार्यरत 45 जवानों को सम्मानित किया जाएगा।

पुरानी पेंशन योजना लागू को लेकर सरकार सकरात्मक - देवेंद्र फणडवीस

मुंबई। राज्य की ग्रेजुएट और शिक्षक मतदार संघ पर होने वाले चुनाव के लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों तरफ से चुनाव प्रचार जोर - शोर में शुरू है.इस बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस (Devendra Fandavis) ने बड़ा बयान दिया है.बुधवार को औरंगाबाद चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि राज्य में पुरानी पेंशन योजना लागू करने के लिए सरकार सकरात्मक है.इस योजना को राज्य में दोबारा शुरू करने पर राज्य सरकार पर 8 साल में करीब ढाई लाख करोड़ रुपए का भार बढ़ेगा, इसलिए कुछ अलग सोचना होगा. उन्होंने कहा कि हम पुरानी पेंशन योजना को फिर से शुरू करने को लेकर नकारात्मक नहीं हैं. वर्षो से शिक्षक यह मांग कर रहे हैविपक्षी दल कांग्रेस और राकांपा पर निशाना साधते हुए फडणवीस ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना विपक्ष ने सत्ता में रहते हुए इसलिए नहीं शुरू किया क्योंकि सरकार के खजाने पर 2.5 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ बढ़ जाता।

शिक्षकों को जल्द मिलेगी खुशखबरी? मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने पुरानी पेंशन योजना (Old Pension Scheme) शुरू करने को लेकर सरकार को सकरात्मक बताया है.इस बीच दोनों नेताओं के बयान से राज्य के शिक्षकों और सरकारी कर्म चारियोंमें ख़ुशी की लहर दौड़ पड़ी है.पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के लिए शिक्षक कई वर्षो के सरकार से मांग कर रहे है. अगर राज्य में यह योजना दोबारा लागु होती है तो लाखों की संख्या में शिक्षकों को फायदा होगा। राजकोष पर अतिरिक्त बोझ राज्य में करीब 16 लाख 10 हजार सरकारी कर्म चारी हैं। इन सभी सरकारी कर्म चारियों के वेतन पर राज्य सरकार को प्रति वर्ष 58 हजार करोड़ रुपए खर्च करने हैं। ऐसे में अगर पुरानी पेंशन योजना लागू होती है और इसे 2004 से लागू करने का फैसला किया जाता है तो राज्य सरकार के खजाने पर 50 से 55 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा. साथ ही राज्य सरकार शिक्षकों की पेंशन पर 4 से 4.5 हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यय करेगी। विधान परिषद चुनाव में शिक्षकों में भ्रम पैदा करने की फडणवीस की चाल- अतुल लोंढे पुरानी पेंशन योजना को लागू वाले उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बयान पर विपक्षी दल कांग्रेस ने हमला बोला है. कांग्रेस प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अतुल लोढ़े ने कहा कि राज्य में शुरू शिक्षक मतदार सीट के चुनाव में शिक्षकों को लुभाने और उनमे भ्रम पैदा करने के लिए सीएम और डिप्टी सीएम ने पुरानी पेंशन योजना शुरू करने के लिए यह बात कर रहे है. अगर पुरानी पेंशन योजना को लागू करने पर 'खतरा' है तो क्या देवेंद्र फडणवीस पांच साल मुख्यमंत्री रहते हुए क्या सो रहे थे. लोंढे ने कहा कि केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने ही पुरानी पेंशन योजना को बंद कर साल 2003 में राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) लागू की थी। जबकि देवेंद्र फडणवीस इस पेंशन को बंद करने का ठीकरा कांग्रेस सरकार पर फोड़ कर झूठ फैला रहे हैं, हाल में नागपुर में विधान मंडल के शीतकालीन सत्र में फडणवीस ने साफ कहा था कि सरकार के लिए पुरानी पेंशन योजना को लागू करना संभव नहीं है। उन्होंने यहां तक कहा था कि अगर इस योजना को लागू किया गया तो सरकार दिवालिया हो जाएगी। अब इन खतरों के बीच फडणवीस के मन में पुरानी पेंशन योजना को लागू करने का प्रेम कैसे पैदा हो गया। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी न केवल पुरानी पेंशन योजना को लागू करने का समर्थन करती है, बल्कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश जैसे कांग्रेस शासित राज्यों में पुरानी पेंशन योजना को लागू भी कर दिया गया है। राज्य सरकार पुरानी पेंशन योजना को लागू कर सकती है क्योंकि महाराष्ट्र एक उन्नत राज्य है। फडणवीस का यह दावा कि इस योजना के लागू होने से राज्य सरकार के खजाने पर भारी दबाव पड़ेगा, गलत है। लोंढे ने कहा कि लगता है कि सरकारी कर्म चारियों के बढ़ते दबाव और कांग्रेस शासित राज्यों द्वारा पुरानी पेंशन योजनाओं को लागू करने से देवेंद्र फडणवीस की सोच बदली हुई नजर आ रही है।

राष्ट्रपति का देश के नाम संबोधन

'विभिन्न पंथों-भाषाओं ने बांटने नहीं जोड़ने का काम किया' राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू (President Draupadi Murmu) ने 74वें गणतंत्र दिवस (74th Republic Day) की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित किया। अपने संबोधन की शुरुआत में राष्ट्रपति मुर्मू ने सभी देश वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई दीं। उन्होंने कहा कि जब हम गणतंत्र दिवस मनाते हैं, तब एक राष्ट्र के रूप में हमने मिल-जुल कर जो उपलब्धियां प्राप्त की हैं, उनका हम उत्सव मनाते हैं। विभिन्न पंथों-भाषाओं ने बांटने नहीं, जोड़ने का काम किया: राष्ट्रपति राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हम सब एक ही हैं, और हम सभी भारतीय हैं। इतने सारे पंथों और इतनी सारी भाषाओं ने हमें विभाजित नहीं किया है बल्कि हमें जोड़ा है। इसलिए हम एक लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में सफल हुए हैं। यही भारत का सार-तत्व है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत एक गरीब और निरक्षर राष्ट्र की स्थिति से आगे बढ़ते हुए विश्व-मंच पर एक आत्मविश्वास से भरे राष्ट्र का स्थान ले चुका है। संविधान-निर्मा ताओंकी सामूहिक बुद्धिमत्ता से मिले मार्गदर्शन के बिना यह प्रगति संभव नहीं थी।

चांदी के वायदा भाव में गिरावट

नई दिल्ली।कमजोर हाजिर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार घटाने से शुक्रवार को वायदा कारोबार में चांदी की कीमत 177 रुपए की गिरावट के साथ 68,499 रुपए प्रति किग्रा रह गया। मल्टी कमोडिटी एक्स्चेंज में चांदी के मार्च महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 177 रुपए यानी 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 68,499 रुपए प्रति किलोग्राम रह गया।

अनुपम रसायन का मुनाफा 43.61 फीसद बढ़ा

नई दिल्ली।रसायनों की निर्माता कंपनी अनुपम रसायन इंडिया लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ 43.61 फीसदी बढ़कर 54.43 करोड़ रुपए रहा है। पिछले वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 37.90 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। कंपनी ने शेयर बाजारों को सूचित किया कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में समेकित आधार पर उसका कुल राजस्व बढ़कर 388.78 करोड़ रुपए हो गया है। पिछले वर्ष की समान तिमाही में उसे 271.12 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था।

डीजीसीए ने गो फर्स्ट पर 10 लाख का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बेंगलुरु हवाईअड्डे पर नौ जनवरी को एक बस में सवार 55 यात्रियों को लिए बगैर ही विमान के उड़ान भरने की घटना के संबंध में गो फर्स्ट एयरलाइन पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। विमानन नियामक ने घटना के बाद एयरलाइन को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। नोटिस के जवाब में गो फर्स्ट ने जो जानकारी दी उसके मुताबिक उक्त घटना टर्मिनल को-ऑर्डिनेटर, वाणिज्यिक कर्मियों और परिचालक दल के सदस्यों के बीच यात्रियों के विमान में सवार होने के बारे में संवाद और समन्वय की कमी के कारण हुई।

एकनाथ शिंदे के गढ़ में उध्दव ठाकरे का दौरा

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे (Eknath Shinde) के गढ़ ठाणे जिले में शिवसेना उध्दव बालासाहेब ठाकरे पक्ष प्रमुख उध्दव ठाकरे (Uddhav Thackeray) दौरा करेंगे. मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार 27 जनवरी को दिवंगत आनंद दिघे की जयंती है. जिसके उपलक्ष्य में 26 जनवरी को उध्दव ठाकरे गुट द्वारा ठाणे के जांभळीनाका पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया है.जिसका उद्घाटन पूर्व सीएम उध्दव ठाकरे के हाथों होना है.पिछले छह महीने पहले शिवसेना में हुई भारी फूट और मुख्यमंत्री की कुर्सी जाने के बाद उध्दव ठाकरे का ठाणे में यह पहला दौरा है.एकनाथ शिंदे के गढ़ में आयोजित कार्यक्रम में उध्दव

ठाकरे क्या बोलेंगे इस पर सबकी नजर बनी है.उध्दव ठाकरे के दौरे को लेकर ठाकरे गुट के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जोरदार तैयारी की है.वही सूत्रों की माने तो ठाणे मनपा चुनाव के मद्देनजर स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से ठाकरे गुट उध्दव ठाकरे की उपस्थिति में शक्तिप्रदर्शन करने वाली है.छह महीने पहले शिवसेना भारी बगावत कर राज्य में सत्ता स्थापित करने वाले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को ठाणे जिले में शिवसेना के पदाधिकारियों और पूर्व नगरसेवकों का भरपूर समर्थन मिला है.

पार्टी में फूट के बाद मुख्यमंत्री शिंदे के गढ़ कहे जाने वाले ठाणे में उध्दव ठाकरे के पहला दौरा है.जिस पर सबकी निगाहें टिकी हुई है. बता दें की ठाणे जिला शिवसेना के गढ़ के तौर पर जाना जाता है. शिवसेना ठाणे,

कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर सहित नगर पालिकाओं और जिला परिषदों में सत्ता में बनी हुई है। शिवसेना के ठाणे जिला प्रमुख आनंद दीघे (anand dighe) के निधन के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जिले की कमान संभाली थी जिले में पार्टी की ताकत बढ़ाने के साथ-साथ उन्होंने अपना प्रभाव भी बनाया।

उद्धव ठाकरे से मेरा कोई बैर नहीं, फिर भी मातोश्री के दरवाजे मेरे लिए बंदः देवेंद्र फडणवीस

मुंबईः महाराष्ट्र की सियासत में फिलहाल घमासान मचा हुआ है। एक तरफ जहां मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे (Eknath Shinde) और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस (Devendra Fadnavis) मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के लिए गए थे। इसी दौरान देवेंद्र फडणवीस ने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। खास तौर पर उनके निशाने पर उद्धव ठाकरे (Uddhav Thackeray) रहे। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उद्धव ठाकरे के साथ मेरा किसी भी तरह का बैर नहीं है, उन्होंने ही मेरे लिए मातोश्री (Matoshree) के दरवाजे बंद कर दिए हैं। फडणवीस ने आगे कहा, 'हम एक साथ सरकार चलाते, एक साथ काम करते लेकिन उन्होंने मेरा फोन भी नहीं उठाया। उन्होंने तो मुझे फोन करके यह बताने की भी जहमत नहीं उठाई कि वो हमारे साथ सरकार नहीं बनाना चाहते हैं।' इस तरह से फडणवीस ने अपने दर्द को बयां किया। दरअसल महाराष्ट्र की सत्ता पर काबिज बीजेपी और शिंदे गुट पर महाविकास अघाड़ी और विपक्षी नेताओं की ओर से ईडी के दुरुपयोग का आरोप भी लगाया जाता रहा है। इसी पर फडणवीस ने विपक्ष पर हमला बोला। मुझे जेल भेजने की तैयारी राज्य के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तत्कालीन उद्धव ठाकरे सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ठाकरे सरकार के कार्यकाल में मुझे जेल में डालने का टारगेट तत्कालीन मुंबई पुलिस कमिश्नर संजय पांडे को दिया गया था। इसके अलावा फडणवीस ने उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि साल 2014 और साल 2019 के चुनाव पीएम नरेंद्र मोदी की फोटो लगाकर लड़े और जीते थे।

मलाड का टीपू सुल्तान मैदान का नाम बदलकर हुआ अशफाक उल्ला खान

मुंबई। मलाड पश्चिम स्थित मलाड मालवानी के पास राज्य सरकार द्वारा तैयार किया गया मैदान का टीपू सुल्तान नाम रखने का विवाद अब खत्म हो गया है। इस मैदान को अब स्वतंत्रता सेनानी अशफाक उल्ला खान के नाम से जाना जाएगा। राज्य सरकार द्वारा बनाए गए इस मैदान का नाम स्थानीय विधायक असलम शेख ने टीपू सुल्तान रख दिया था जिसका भाजपा ने भारी विरोध किया था। इस विरोध में शिवसेना ने भी भाजपा का साथ दिया था। महापौर ने एक पत्रकार परिषद में मैदान का नाम रानी लक्ष्मी बाई रखने की मांग जरूर रखी थी लेकिन इस तरह का शिवसेना की ओर से कोई प्रस्ताव नहीं लाया जा सका था।

बता दे कि जिला नियोजन समिति की बैठक में उपनगर के पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा (Mangal Prabhat Lodha) ने जिला कलेक्टर को बताया था कि बिना किसी अनुमति के इस मैदान का नाम टीपू सुल्तान रख दिया गया था। जिसको लेकर काफी विवाद पैदा हुआ था। डी पी डी सी की बैठक में इस मैदान का नाम स्वतंत्रता सेनानी अशफाक उल्ला खान रखने का प्रस्ताव स्थानीय विधायक ने रखा जिसका स्थानीय सांसद गोपाल शेट्टी ने भी समर्थन किया। जिला कलेक्टर निधि चौधरी ने बताया कि अवैध रूप

से रखे गए टीपू सुल्तान का नाम को शुक्रवार को हटा दिया गया।नाम को लेकर विवाद न हो इसके लिए फिलहाल इस मैदान का नाम अशफाक उल्ला खान रखा गया।मैदान का नाम देने की प्रक्रिया मनपा अथवा राज्य सरकार रखती है जिसके चलते डी पी डी सी के बैठक में स्थानीय विधायक असलम शेख और सांसद गोपाल शेट्टी के सुझाए नाम को मनपा और राज्य सरकार के पास भेजा गया है उन्हे अब निर्णय लेना है कि क्या नाम रखे।अभी सिर्फ किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना न घटे इसके लिए स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी अशफाक उल्ला खान रखा गया है।मनपा अथवा राज्य सरकार की मंजूरी के बाद नाम रखने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।इस बीच मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि नाम देने का प्रस्ताव मनपा अथवा राज्य सरकार के मार्फत किया जाता है।सरकार के किसी भी कागजात में ऐसा नहीं पाया गया कि इस मैदान का नाम टीपू सुल्तान रखा गया है। टीपू सुल्तान का नाम देश के किसी भी संस्थान में रखा ही नही जा सकता यह नाम किसी ने विवाद पैदा करने के लिए रखा था। अब यह विवाद खत्म किया जा रहा है। मनपा का कहना है कि नियम के अनुसार उद्यान, मैदान का नामकरण या सौंदर्यीकरण वह तभी वह कर सकती है जब जमीन पर उसका कब्जा हो।

मनपा को उम्मीद है कि जल्द ही जमीन का हस्तांतरण मिल जाएगा। जिसके बाद उसका नामकरण किया जाएगा। मलाड के मालवणी इलाके में 60705 वर्ग मीटर में फैले मैदान को कलेक्टर ने मनपा को देने के लिए उद्यान विभाग को 28 सितंबर 2022 को पत्र भेजा है। जिसमें कहा गया है कि मैदान में क्रिकेट मैदान, बैडमिंटन कोर्ट, जॉगिंग ट्रैक, दर्शक गैलरी , एंट्री गेट , वॉशरूम और चेंजिंग रूम बनाया गया है। कलेक्टर के पत्र में कहा गया है कि उद्यान या मैदान का नामकरण शासनादेश में कहीं उल्लेख नहीं है इसलिए मनपा मैदान के नामकरण के विषय का काम अपने हाथ में ले।

पत्र में बीजेपी सांसद गोपाल शेट्टी का भी जिक्र है जिन्होंने टीपू सुल्तान नाम को अवैध बताया है। साथ ही असलम शेख को मैदान का नाम अशफाक उल्ला देने की मांग का भी जिक्र है।

छात्रों में मुफ्त बांटी जाएगी एग्जाम वॉरियर्स : शिंदे

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे के जिस स्कूल से शिक्षा हासिल की, उसी स्कूल में उपस्थित रहकर वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "परीक्षा पर चर्चा" कार्यक्रम में शामिल हुए। ठाणे के किशन नगर के महापालिका स्कूल क्रमांक 23 में शिंदे ने अपने स्कूल के दिनों को याद करते हुए छात्रों और अभिभावकों को परीक्षा का तनाव नहीं लेने की सलाह दी। साथ ही परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद भी दिया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लिखित पुस्तक "एग्जाम वॉरियर्स" को सभी जिला परिषद स्कूलों के छात्रों को मुफ्त में बांटने की घोषणा की। शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों को जो सीख दी है, वह निश्चित तौर पर उनके काम आएगी। मुख्यमंत्री ने उम्मीद भी जताई कि छात्र तनाव मुक्त रहेंगे, खेलों का लुत्फ उठाएंगे और विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेंगे। "परीक्षा पर चर्चा" का यह छठा साल था। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री ने छात्रों के साथ बातचीत करते हुए संदेश दिया कि परीक्षा एक उत्सव है और इसके परिणाम से डरने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों को यह भी मार्गदर्शन किया कि पढ़ाई कैसे करें, कठिन विषयों को कैसे हैंडल करें, तनाव से कैसे निपटें तथा माता-पिता को छात्रों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे के म्यूनिसिपल स्कूल नंबर 23 से भाग लिया। मुख्यमंत्री बनने के बाद वे पहले बार स्कूल पहुंचे थे। ऐसे में छात्रों में खासा उत्साह था।

प्रधानमंत्री के संवाद के बाद मुख्यमंत्री ने स्कूली छात्रों से बातचीत की। "परीक्षा पर चर्चा" कार्यक्रम में लगभग 150 देशों के छात्रों, 51 देशों के शिक्षकों और 50 देशों के अभिभावकों ने पंजीकरण कराया था। देश के करीब 38 लाख 80 लाख छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गर्व की बात है कि आज इस "परीक्षा पर चर्चा" में दुनिया भर से करोड़ों लोग हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लिखी पुस्तक "एग्जाम वॉरियर्स" ठाणे महानगरपालिका सहित राज्य के सभी जिला परिषद स्कूलों के छात्रों को मुफ्त में बांटी जाएगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधि स्वरूप कुछ छात्रों को यह पुस्तक वितरित की। मुख्यमंत्री ने स्कूल क्रमांक 23 को याद करते हुए अपने शिक्षक रघुनाथ परब को याद किया। शिंदे ने कहा कि पहले स्कूल भवन ऐसा नहीं था। पहले यह स्कूल एक चाल में लगता था। स्कूल में साफ-सफाई खुद ही करनी पड़ती थी, जिसका एक अलग ही आनंद था। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने विद्यालय का निरीक्षण किया। भवन की दूसरी मंजिल पर कंप्यूटर लैब, क्लास रूम, साथ ही पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। बेंच पर बैठकर मुख्यमंत्री ने बच्चों से बातचीत की। इस अवसर पर ठाणे नगर आयुक्त अभिजीत बांगर उपस्थित थे।

कांग्रेस को ऐतराज

इधर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंढे ने आरोप लगाया है कि भाजपा "परीक्षा पर चर्चा" कार्यक्रम की आड़ में स्कूली बच्चों के बीच पार्टी का प्रचार कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार की तरफ से "परीक्षा पर चर्चा" कार्यक्रम को पूरे देश भर के स्कूलों में दिखाने का निर्देश दिया गया था।

आंखों की रोशनी के लिए पत्तागोभी फायदेमंद, सेवन से हो सकते हैं ये नुकसान भी

रंजनबेन मसोया

री पत्तेदार सब्जियों को सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। आहार एवं पोषण विशेषज्ञ, नियमित सब्जियों के सेवन की सलाह देते हैं। सब्जियों में कई तरह के पोषण तत्व और यौगिक पाए जाते हैं, जो कई बीमारियों से बचाव करते हैं। शरीर और मस्तिष्क को पोषण की जरूरत होती है, जिसे सब्जियां पूरी कर सकती हैं। सब्जियों में औषधीय गुणों होते हैं, जो इम्यूनिटी पावर को मजबूत करते हैं। शरीर की भिन्न भिन्न व्याधियों के लिए उपयोगी ये प्राकृतिक भोज्य पदार्थ अमृततुल्य हैं। इनमें से एक औषधीय गुणों से युक्त सब्जी पत्ता गोभी है। पत्ता गोभी के सेवन के कई फायदे होते हैं। पत्ता गोभी आंखों की रोशनी के लिए, अल्सर और कैंसर में असरदार माना जाता है। लेकिन पत्ता गोभी का सही तरीके से सेवन न करने से यह नुकसानदायक हो जाता है। गले में एलर्जी, ग्लूकोज लेवल कम होने जैसे तमाम नुकसान भी हो सकते हैं। पत्ता गोभी के सेवन से पहले इसके फायदे और नुकसान के बारे में जान लें।

पत्ता गोभी में पाए जाने वाले पोषक तत्व

पत्ता गोभी या बंद गोभी में मौजूद पोषक तत्व सेहत के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। पत्ता गोभी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी के गुण पाए जाते हैं, जो गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल विकार जैसे-

गैस्ट्रिटिस, पेप्टिक व डुओडेनल अल्सर, इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम में फायदेमंद है। इसमें विटामिन, मिनरल और फाइटोन्यूट्रिएंट्स भरपूर मात्रा में होता है। पत्ता गोभी में फाइबर ज्यादा और कैलोरी कम पाई जाती है।

पत्ता गोभी खाने के फायदे

पाचन और कब्ज

पत्ता गोभी पेट की समस्या में फायदेमंद है। पाचन और कब्ज से राहत दिलाता है। लाल पत्ता गोभी में एंथोसायनिन पॉलीफेनोल पाया जाता है, जो पाचन क्रिया को उत्तेजित करने का काम करता है। पत्ता गोभी में फाइबर होता है, जो पाचन में सहायक है। इसके सेवन से मन मुलायम होने से कब्ज में मदद मिलती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता

इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए भी पत्ता गोभी लाभकारी है। पत्ता गोभी में विटामिन सी भरपूर होता है, जो इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए पत्ता गोभी के जूस का सेवन कर सकते हैं।

इससे सर्दी बुखार और संक्रमण से बचाव होता है।

कैंसर में फायदेमंद

एक रिसर्च के मुताबिक, पत्ता गोभी में ब्रैसिनिन तत्व पाए जाते हैं जो कैंसर के खिलाफ कीमो प्रिवेंटिव गतिविधि दर्शा तेहैं। कैंसर ट्यूमर से बचाव के लिए पत्ता गोभी का सेवन कर सकते हैं। एक अन्य शोध के मुताबिक, पत्ता गोभी में एंटी कैंसर प्रभाव हो सकता है। हालांकि कैंसर के इलाज में महज पत्ता गोभी कारगर नहीं है लेकिन रोग के जोखिम को कम कर सकता है।

आंखों की रोशनी

एक रिसर्च जर्नल के मुताबिक, पत्ता गोभी में ल्यूटिन और ज़ेक्सथिन पाया जाता है। ये दोनों तत्व आंखों की सेहत के लिए फायदेमंद है। आंखों की रोशनी को तेज करने के लिए भी पत्ता गोभी का सेवन कर सकते हैं।

पत्ता गोभी के नुकसान

पत्ता गोभी में रैफिनोस पाया जाता है, जिसमें चीनी की मात्रा पाई जाती है। चीनी जटिल कार्बोहाइड्रेट का एक प्रकार है। यह आंखों से गुजरता हुआ पेट में समस्या कर सकता है।

मधुमेह रोगियों के लिए पत्ता गोभी लाभकारी भी हो सकता है और नुकसानदायक भी। पत्ता गोभी का सेवन सामान्य रक्त शुगर होने पर ग्लूकोज लेवल को कम कर सकता है।

ज्यादा पत्ता गोभी का सेवन थायराइड के मरीजों के लिए समस्या कर सकता है। इसलिए उन्हें पत्ता गोभी के अधिक सेवन से परहेज करना चाहिए।

बहुत ही कम मामलों में लेकिन पत्ता गोभी के अधिक सेवन से गले में एलर्जी की शिकायत हो सकती है।

सिर्फ कैल्शियम ही नहीं इन पोषक तत्वों का भी खजाना है दूध, कई बीमारियों से रखता है दूर

बच्चों से अक्सर कहा जाता है कि दूध पीने से ताकत आती है। लेकिन ये सिर्फ बच्चों को बहलाने के लिए कही गई बात नहीं है। दूध असल में पौष्टिकता का खजाना है, जो न केवल बच्चों, बल्कि बड़ों के लिए भी फायदेमंद है। दूध को संपूर्ण आहार माना जाता है। दूध में मौजूद विटामिंस और पौष्टिक तत्व सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि दूध पीने के अपने ही फायदे होते हैं। वहीं हर उम्र के लोगों के लिए दूध लाभदायक है। चलिए जानते हैं दूध में पाए जाने वाले पोषक तत्वों और दूध पीने के फायदे के बारे में।

दूध पीने के फायदे

दूध पीने से आती हैं अच्छी नींद

दूध का सेवन नींद के लिए गुणकारी होता है। सोने से पहले एक गिलास दूध पीने से अच्छी नींद आती है।

दरअसल, दूध में ट्रिप्टोफैन और बायोएक्टिव पेप्टाइड पाया जाता है, जो नींद को सकारात्मक तौर पर प्रभावित कर सकता है। तनाव के कारण कई लोगों को सोने की समस्या हो जाती है। दूध पीने से उनके शरीर को सभी पोषक तत्व मिलते हैं और तनाव से राहत मिलने पर नींद बेहतर आती है।

दूध से वजन होता है नियंत्रित

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, दूध पीने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और वजन भी नियंत्रित रहता है। दूध पीने से बचपन के मोटापे का जोखिम कम हो जाता है। दूध में प्रोटीन पाया जाता है जो रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित बनाता है। जो लोग वजन कम करने की कोशिश करते हैं उन्हें कम फैट वाले दूध का सेवन करना चाहिए। मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्ग महिलाओं पर किए गए एक अध्ययन के मुताबिक, डेयरी उत्पाद वजन मोटापे के खतरे को कम करने में सहायक होते हैं।

चार्ल्स पटेल

दूध से त्वचा को फायदे

चिकनी और स्वस्थ त्वचा के लिए भी रोजाना दूध का सेवन फायदेमंद होता है। दूध में विटामिन बी 12 की मात्रा पाई जाती है, जो त्वचा की सेहत को बेहतर बनाती है। ऐसे में नियमित दूध पीने से त्वचा जवान बनी रहती है। दूध में पाई जाने वाली विटामिन ए की मात्रा शरीर की नई कोशिका संरचनाओं को बढ़ावा देती है।

इससे कई तरह के त्वचा रोगों से लड़ने में भी मदद मिलती है।

दांतों और हड्डियों के लिए दूध फायदेमंद

दूध पीने से दांत और हड्डियां भी स्वस्थ बनी रहती हैं। दूध में कैल्शियम, फास्फोरस, पोटेशियम, प्रोटीन और विटामिन पाए जाते हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक हैं। हड्डियों और दांतों में शरीर का लगभग 99 फीसदी कैल्शियम होता है। दूध से कैल्शियम की कमी पूरी होती है और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी हड्डियों की बीमारियों से बचाव होता है।

सर्दी-खांसी में कौन से फल का सेवन है फायदेमंद और कौन सा बढ़ा सकता है परेशानी

राज के.वेगड़

सर्दियों का मौसम आ गया है। इस मौसम में कई तरह की बीमारियां होने की संभावना बढ़ जाती है। ज्यादातर लोगो को सर्दी में खांसी जुकाम की शिकायत हो जाती है। खांसी होने पर खाने पीने को लेकर परहेज भी शुरू हो जाते हैं। ठंडा पानी नहीं पीना चाहिए, ऐसी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए, जो खांसी की शिकायत को अधिक बढ़ा दें। खांसी के दौरान फलों के सेवन को लेकर भी कई तरह के भ्रम हैं। लोग सलाह देते हैं कि खांसी जुकाम होने पर खट्टे फल या रसीले फलों का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे खांसी की समस्या बढ़ जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि खांसी आने पर असल में कौन से फलों का सेवन करना चाहिए और कौन से फल खाने के परहेज

करना चाहिए। आइए जानते हैं खांसी जुकाम में फलों के सेवन के फायदे और नुकसान।

खांसी में कौन से फल का करें सेवन

आहार और पोषण विशेषज्ञ के मुताबिक, खांसी की समस्या में सिट्रिक फलों का सेवन करवना चाहिए। सिट्रिक फल रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करते हैं। इनके सेवन से खांसी की समस्या कम होती है। ये रहे खांसी में फायदेमंद फल।

सेब

विशेषज्ञ बताते हैं कि खांसी आने पर सेब का सेवन भी कर सकते हैं।

सेब खाने से खांसी कम हो सकती है। सेब में पाएं जाने वाले औषधीय गुण वायरल इंफेक्शन को दूर करते हैं।

किवी

खांसी की शिकायत में किवी का सेवन असरदार है। किवी में विटामिन सी और ई भरपूर मात्रा में होता है, जिसका सेवन एलर्जी और इंफेक्शन को कम करता है और इम्यूनिटी पावर को बूस्ट करता है।

खांसी में न करें इन फलों का सेवन

ऐसा कोई भी फल नहीं है, जिसके खांसी के दौरान सेवन से नुकसान हो सकता है। हालांकि किसी फल से एलर्जी होती है, तो उसका सेवन न करें। ध्यान देने योग्य बात ये है कि खांसी आने पर रात या शाम के वक्त खट्टे फलों का सेवन कम करना चाहिए। इसके अलावा अगर फल फ्रिज में रखें हैं, तो उनके सेवन से बचना चाहिए।

नोट: यह लेख मेडिकल रिपोर्ट्स और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सुझाव के आधार पर तैयार किया गया है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : इस सप्ताह कर्म को प्रधानता देनी होगी। आलस्य का त्याग करें और जो काम अटका रखें हैं उन्हें पूरा करने को प्रवृत्त हों तभी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। दांपत्य जीवन में चल रहे टकराव को आपसी बातचीत से सुलझाने का प्रयास करें। नौकरी और व्यवसाय में स्थिरता रहेगी। भूमि, संपत्ति, कृषि संबंधी कार्य फंसे रहेंगे। स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है।

वृषभ : सप्ताह शुभ है किंतु कुछ कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ सकता है। मन में थोड़ी झुंझलाहट रहेगी। अनिर्णय की स्थिति हो तो परिवार के वरिष्ठजनों की मदद लें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। नौकरी और व्यवसाय में मेहनत के अनुरूप ही परिणाम मिलेगा। आर्थिक स्थिति में कुछ हद तक सुधार आएगा।

मिथुन : परिवार में मतभेद, विवादित स्थिति बन सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा किंतु संतानों से टकराव रहेगा। नौकरीपेशा लोगों का कार्यस्थल पर विवाद होगा। व्यापार में ठहराव अनुभव करेंगे। भूमि, भवन, संपत्ति संबंधी कार्य मुश्किल से पूरे होंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। फंसा हुआ पैसा लौटने के योग बनेंगे।

कर्क : सप्ताह संबंधों के लिए मुश्किल भरा रहेगा। परिवार में मतभेद और बढ़ेंगे। जीवनसाथी से टकराव, माता-पिता, भाई-बहनों के बीच विवाद होंगे। आर्थिक स्थिति में किसी प्रकार की हानि हो सकती है। नया कार्य प्रारंभ न करें। नौकरीपेशा के कार्य में बदलाव आएगा। स्वास्थ्य भी गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के अंतिम दो दिन राहत भरे रहेंगे।

सिंह : परिवार में मतभेद होंगे किंतु आपको अपनी वाणी और क्रोध पर संयम रखना होगा। सम्मान और पद में कमी आ सकती है। आजीविका के नए साधन तलाशने पड़ सकते हैं। कार्य धीमी गति से होंगे। आर्थिक लाभ सप्ताह के मध्य में मिलेगा। नौकरी-व्यवसाय में मनमुताबिक उन्नति नहीं होगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा।

कन्या : अपने जीवन को संयमित रखें। परिवार के साथ तालमेल बनाकर चलने की आदत डालें अन्यथा अकेले रह जाएंगे। मानसिक परेशानी आएगी। शारीरिक रोग परेशान कर सकते हैं। संकटपूर्ण सप्ताह रहेगा किंतु सूझबूझ से राहत अनुभव करेंगे। फंसे हुए आर्थिक मामले सुलझेंगे। भूमि, संपत्ति खरीदने की ओर प्रवृत्त होंगे। पारिवारिक कार्यों से यात्राएं करनी पड़ सकती हैं।

तुला : सही समय पर निर्णय लेने की आदत विकसित करें। कार्यों को टालने की प्रवृत्ति भारी पड़ सकती है। इस सप्ताह किसी को पैसा उधार न दें वरना फिर लौटेगा नहीं। मानसिक रूप से विचलित रहेंगे। कार्यस्थल पर आपके कार्य का कम आंका जाएगा। परिवार में भी मतभेद होंगे। मित्रों से टकराव होगा।

वृश्चिक : क्रोध की प्रबलता रहेगी। आवेश में आकर कोई निर्णय न लें। किसी मुद्दे पर निर्णय नहीं ले पा रहे हैं तो परिवार के वरिष्ठजनों की सलाह लें। आर्थिक मामलों में सतर्क रहना होगा। कोई करीबी ही आपको चपत लगा सकता है। नौकरी में उन्नति प्राप्त होगी। व्यापार में नया कार्य जोड़ सकते हैं। प्रेम संबंध ठीक रहेंगे।

धनु : इस सप्ताह आप शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रहेंगे। इससे किसी भी परिस्थिति से लड़ने की क्षमता प्राप्त होगी। कार्यस्थल पर हो रहे टकराव भी कम होंगे और आपके कार्य को सराहना मिलेगी। व्यापार में स्थिति पहले से सुधरेगी। नए कार्य प्रारंभ करने के लिए थोड़ा और रूकें। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। अविवाहितों के विवाह की बात बनेगी।

मकर: सप्ताह सही है। जो भी कार्य सोचेंगे वे पूरे होंगे, लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए जी-जान से जुटना होगा। आलस्य को हावी न होने दें। परिवार में माहौल सुधरेगा। माता-पिता और जीवनसाथी के साथ संबंधों को ठीक करने का प्रयास करें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। पुराना पैसा लौटने के योग हैं।

कुंभ : घर-परिवार में माहौल सुखद रहेगा। मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अवसरों का उचित लाभ प्राप्त होगा। नौकरी में प्रमोशन के चांस हैं। व्यापार में नए आयाम स्थापित कर सकते हैं। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा किंतु वाहन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग करते समय सावधानी रखें।

मीन : संबंधों में मजबूती आएगी। पारिवारिक जीवन में कोई मांगलिक प्रसंग आएगा। धन-संपत्ति की प्राप्ति होगी। अटका हुआ पैसा लौट आएगा। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे, पुराने मजबूत होंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रहेंगे। नौकरी और व्यापार में उन्नति होगी। जीवनसाथी से टकराव कम होगा। मित्रों और परिवार के साथ यात्राओं के योग बनेंगे।

चुटकुले

चिंटू- आज मैंने तुम्हारे लिए एक स्पेशल डिश बनाई है, खाते ही गर्मी गायब.

अमेज़न स्मार्टफोन अपग्रेड डेज पर 40% तक की छूट पाएं - सेल 31 जनवरी तक लाइव है

गर्लफ्रेंड - ऐसा क्या बना दिया तुमने यार?

चिंटू- नवरत्न तेल के पकोड़े!

चिंटू की बात सुनकर गर्लफ्रेंड के उड़े होश

दोस्त- मुझे अपनी गर्लफ्रेंड को कोई गिफ्ट देना है, क्या दूं...?

चप्पू- ऐसा कर गोल्ड रिंग दे दें।

दोस्त- कोई बड़ी चीज बता...

चप्पू- तो फिर गोल्ड रिंग जाने दें,

MRF का टायर दे दे...

पति और पत्नी में झगड़ा हो जाता है तब...

पत्नी- मैं अपने मायके चली जाऊंगी।

पति- अहो भाग्य हमारे!

पत्नी- बाद में तुम्हें हैरान करने वाला कोई नहीं होगा...

पति- अहो भाग्य हमारे!

पत्नी- मैं सुसाइड कर लूंगी...

पति- अहो भाग्य हमारे!

पत्नी- बाद में मुझे याद कर आंसू बहाओगे।

पति- अहो भाग्य हमारे!

पत्नी- जाओ.. सभी बातों में तुम्हारा अच्छा भाग्य है तो मैं सुसाइड नहीं कर रही।

पति- दुर्भाग्य हमारे!

पप्पू- मैंने अपने हाथ पर बड़े से गिटार का टैटू बनवाया है।

गप्पू- अच्छा...

पप्पू- हां।

गप्पू- फिर तो खुजाने से बजता भी होगा...!

जी म्युजिक पर 25 जनवरी को रिलीज हो रहा है म्युजिक वीडियो "तुम याद न आया करो"

आजकल म्युज़िक वीडियो का ट्रेंड चल रहा है। इसी ट्रेंड को देखते हुए जी म्युज़िक कंपनी से 25 जनवरी 2023 को एक नया सॉन्ग "तुम याद न आया करो" रिलीज होने जा रहा है। मुम्बई में एक भव्य कार्यक्रम में इस सॉन्ग को लॉन्च किया गया। अष्टविनायक पिक्चर्स के प्रोडक्शन में निर्मित यह म्युज़िक वीडियो काफी खूबसूरत है। इस गीत का संगीत राजा अली ने कम्पोज़ किया है जिन्होंने इसके शब्द भी लिखे हैं। वीडियो में राखी शर्मा और नितिन तेजवानी की जोड़ी दिखाई दे रही है। याहा मुख्य अतिथि में सलीम ज़ाफर जी को बुलाया गया।इस गाने के निर्माता अष्टविनायक पिक्चर्स, मनीष शाह, अरुण वासवड और अरमान भट्टी हैं। वीडियो डायरेक्टर कुणाल जयसवाल, डीओपी नितेश श्रीवास्तव हैं जबकि गाने को आमिर अली ने अपनी आवाज़ दी है।तुम याद न आया करो के कार्यकारी निर्माता अरुण वासवड और प्रोडक्शन मैनेजर आशुतोष यादव हैं।संगीतकार और गीतकार राजा अली ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि तुम याद न आया करो दिल को छू लेने वाला गीत है। यह ज़ी म्युज़िक पर 25 जनवरी को रिलीज हो रहा है। हम सब बेहद उत्साहित हैं। इसे आमिर अली ने बड़ी शिद्दत से गाया है जो दर्शकों को पसन्द आएगा।निर्माता मनीष शाह का कहना है कि इस गाने में राखी शर्मा और नितिन तेजवानी की केमिस्ट्री कमाल की है। स्क्रीन पर दोनों की जोड़ी खूबसूरत लग रही है। गाने में एक कॉन्सेप्ट है, एक स्टोरी है जो ऑडिएंस को अवश्य पसन्द आएगा।

म्यूजिक अलबम के बाद दिशा गुप्ता फिल्मों में करेगी डेब्यू

मुम्बई। बॉलीवुड में कदम रखने से लेकर स्थापित रहने तक कठिन संघर्षों का सामना करना पड़ता है। यही संघर्ष इन्दौर की नवोदित अभिनेत्री दिशा गुप्ता को भी झेलना पड़ा। धीरे धीरे अब वह वीडियो गीतों में अभिनय के साथ-साथ फीचर फिल्म में भी काम करने जा रही है।उभरते कलाकार प्रतीक सहजपाल के साथ एलबम 'दो-दो बारिश' में दिशा का किरदार एक बेवफा प्रेमिका का है, उसी किरदार से दिशा को बॉलीवुड में एंट्री भी मिली और उसके बाद लगातार उनके पास फ़िल्मों में अभिनय के लिए ऑफर आना शुरू हो गया।दिशा मूलतः इन्दौर की रहने वाली हैं। उनकी एजुकेशन भी इन्दौर के ही स्कूल और प्रेस्टिज कॉलेज से हुई है। उनके पिता आलोक गुप्ता और माँ राधा गुप्ता के संस्कारों और पालन पोषण से दिशा ने इन्दौर से मुम्बई तक का सफर तय किया है। फिलहाल दिशा मुम्बई में रहकर अभिनय कर रही हैं। वह अच्छे फिल्ममेकर के साथ काम कर रही है। दिशा का सपना है कि फिल्मी दुनिया में इन्दौर का दखल बढ़े क्योंकि इन्दौर में टैलेन्ट की कमी नहीं है, बस उन्हें सही दिशा देने की आवश्यकता है।दिशा ने बताया कि मैंने हिम्मत नहीं हारी और मैं लगातार काम की तलाश करती रही। फिर एक ऑडिशन में मेरा सिलेक्शन हुआ, उसमें मेरे अभिनय को पसंद करके फिल्मी गीत में काम करने के लिए मुझे चुना। पहली बार जब मैं सिलेक्ट हो गई तो बहुत खुश हुई और ईश्वर की कृपा मानकर मैं काम में जुट गई। वीडियो शूट हुआ, अब लॉन्चिंग के लिए तैयार है। खाने में शाकाहार की शौक़ीन दिशा शराब और कबाब से हमेशा दूर रहती हैं। उनका मानना है कि 'नशा करके ही फिल्मों में काम नहीं मिलना और न ही तनाव ख़त्म होता है।

सात्विकता से परमात्मा की कृपा मिलती है। दिशा बचपन से ही फिल्मी दुनिया से बेहद प्रभावित रही हैं, उसी का परिणाम है कि दिशा ने भी फिल्मों में अभिनय को ही अपना लक्ष्य मानकर अपना कैरियर बनाना चाहा।आगामी दिनों में दिशा के पास कुछ फ़िल्मों से भी ऑफर हैं, जिसमें दिशा काम करने जा रही हैं। उनमें से एक फिल्म की शूटिंग मध्य प्रदेश में ही होगी। दिशा का युवाओं के लिए कहना है कि कभी ख़ुद को निराश मत होने देना, एक दिन आपका भी वक़्त आएगा, यदि आप बेहतर काम, बेहतर अभिनय जानते हो तो कभी न कभी आपके स्टार भी चमकेंगे।

- संतोष साहू

अपनी फिल्म जंगल महल को लेकर बहुत उत्साहित हैं फिल्म अभिनेत्री सुरैया परवीन

फ़िल्म अभिनेत्री सुरैया परवीन अपनी लेटेस्ट फ़िल्म जंगल महल को लेकर बहुत खुश और उत्साहित हैं। साउथ से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अदाकारी के जौहर दिखा चुकी सुरैया की यह फ़िल्म 20 जनवरी शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है, जिसे दर्शकों द्वारा खूब पसन्द किया जा रहा है। फ़िल्म जंगल महल बेहद दिलचस्प सिनेमा है और इसमे उनकी भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण है। वह एक एनजीओ के लिए काम करने वाली नीलिमा के किरदार में बिग स्क्रीन पर दिखाई दे रही हैं। सुरैया परवीन ने इस चैलेंजिंग रोल को निभाने के लिए कड़ी मेहनत की है। रियल लोकेशन्स पर इस फ़िल्म की शूटिंग की गई है, इसलिए जिसमे एक रियलिस्टिक टच है। वह फ़िल्म मेकिंग को एक टीम वर्क मानती हैं इसलिए वह उत्साहित हैं कि सबकी मेहनत रंग लाई है। सुरैया परवीन साउथ का सिनेमा भी कर चुकी हैं, लेकिन अब वह हिंदी फिल्में ज्यादा कर रही हैं। उनकी अब तक की जर्नी बहुत शानदार रही है और उन्हें उम्मीद है कि आगे उन्हें और भी बेहतर फिल्में और रोचक किरदार करने का अवसर मिलेगा। इस फ़िल्म के अलावा उनके और भी कई अपकमिंग प्रोजेक्ट्स हैं। उनकी नेक्स्ट रिलीज "नारी" है जो महिला केंद्रित सिनेमा है और वह उसमे मेन लीड प्ले कर रही हैं। उसके बाद उनके हाथ मे एक और हिंदी फिल्म है जिसकी शूटिंग जल्द शुरू होगी। फ़िल्म जंगल महल द अवेकनिंग के निर्माता टरगोल बहादोरी, निर्देशक अरुनवा चौधरी हैं। इसमे सुरैया परवीन के अलावा आदित्य बालियान, मसुमेह एबी, अमित रैना, फरहाद खैरी और प्रशांत शिंदे जैसे कलाकार हैं।

कैट ने किया नव निर्वाचित पार्षद और महापौर का सम्मान

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया बीआईए सभागार मे कैट की ओर से महापौर, उप महापौर और नवनिर्वा चित पार्षदों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तार किशोर प्रसाद और महापौर सीता साहु के ने किया गया। इस मौके पर श्री प्रसाद ने कहा कि यह बड़ा अवसर है बिहार के विकास के लिए नगर के विकास के लिए यह दायित्व आप को मिला है। छपरा मेयर राखी गुप्ता ने कहां कि अब समय आ गया है कि व्यापारी को भी राजनीति में आना चाहिए इसके लिए कैट सबसे मजबूत संगठन है।वहीं, इस मौके पर पटना की महापौर सीता साहू ने कहा कि सबसे पहले मैं यहां की जनता को धन्यवाद देती हूं, जिन्होंने मुझमें विश्वास जताते हुए एकबार फिर चुना। वहीं इस बार मैं स्वास्थ्य शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का काम करूंगी। इस कार्यक्रम में कैट के तरफ से मनोज कुमार निराला, सौरभ सिंह, अनंत अरोड़ा, रुचि अरोड़ा, शियल नायक, दशमेश सिंह बरनाला, सुशील कुमार सोनी, मुकेश कुमार नंदन आदि लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन कैट बिहार अध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा ने किया। और धन्यवाद प्रेम खन्ना ने किया।:कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स, महाराष्ट्र प्रदेशमहामंत्री : श्री शंकर वी.ठक्कर

स्मृति ईरानी बोलीं- पीएम मोदी ने महिलाओं से जुड़े मुद्दों को केंद्र में रखा, दिया मुफ्त राशन

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण से जड़े मुद्दों पर आयोजित शैटर शिखर सम्मेलन में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि पीएम मोदी ने महिलाओं की योजना के मुद्दों को केंद्र में रखा। हमने घर में शौचालय की व्यवस्था की है, स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालय। मुफ्त राशन दिया जा रहा है, गर्भ वती महिलाओं को नकद दिया जा रहा है। आगे स्मृति ईरानी ने कहा कि हम सभी के लिए जश्न मनाने का एक कारण है, क्योंकि भारत जी20 अध्यक्षता का नेतृत्व कर रहै है। मुझे गर्व है कि प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को मुख्य एजेंडा में से एक बना दिया है और यह एक साइड-लाइन तक सीमित नहीं है। विदेश विभाग के फोगी बॉटम मुख्यालय में आयोजित आधे दिवसीय शिखर सम्मेलन में अपने मुख्य भाषण में ईरानी ने देश में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में मोदी सरकार द्वारा उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण कदमों पर प्रकाश डाला। व्हाइट हाउस जेंडर पॉलिसी काउंसिल के अध्यक्ष और

निदेशक की सहायक जेनिफर क्लेन ने शैटर शिखर सम्मेलन में अपना मुख्य भाषण दिया। वहीं विशेषज्ञों का मामना है कि अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी न सिर्फ दुनिया के लिए अच्छी है बल्कि बिजनेस के लिए भी अच्छी है। विदेश विभाग के फोगी बॉटम मुख्यालय में 26 जनवरी को आयोजित शिखर सम्मेलन में सर्जन जनरल डॉ. विवेक मूर्ति, आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर, अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू सहित दोनों पक्षों के प्रतिष्ठित वक्ता के रूप में शामिल हुए। द शैटर समिट यूएस-इंडिया एलायंस फॉर वूमेन्स इकोनॉमिक एम्पावरमेंट की एक पहल है, जो यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट, यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट, यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम और जॉर्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के बीच एक सार्व जनिक-निजी साझेदारी है, जिसका उद्देश्य महिलाओं उत्प्रेरित करना है। भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र, नागरिक समाज और संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत में सरकार की प्रतिबद्ध है।

द नाइट मैनेजर में टकराएंगे दो दिग्गज - अनिल कपूर और आदित्य रॉय कपूरेरिलीज हो रही है 17 फरवरी 2023 को, सिर्फ डिज्नी, हॉटस्टार पर

हॉटस्टार स्पेशल्स की शानदार सीरीज़, द नाइट मैनेजर को द इंक फैक्ट्री औरबानिजय एशिया ने प्रोड्यूस किया है, जिसे संदीप मोदी ने क्रिएट एवं डायरेक्ट और प्रियंका घोष ने को-डायरेक्ट किया है. दो पावरहाउस, दो अलग-अलग पहलू और एक जोरदार टक्कर - इस साल केसिनेमाई मुकाबले में देखने के लिए तैयार हो जाइए शैली रुंगटा और शांतनु सेनगुप्ता की भिड़ंत! तो आपभी कमर कस लीजिए क्योंकि डिज़्नी+ हॉटस्टार ने बदले, धोखे और सनसनीखेज खुलासों की रोमांचकदुनिया को उजागर करती इस बहुप्रतीक्षित स्पाई थ्रिलर हॉटस्टार स्पेशल्स की 'द नाइट मैनेजर' का ट्रेलररिलीज़ कर दिया है। द इंक फैक्ट्री और बानिजय एशिया द्वारा प्रोड्यूस्ड, जॉन ले कार्रे के उपन्यास दनाइट मैनेजर के इस हिंदी रूपांतरण को संदीप मोदी ने क्रिएट एवं डायरेक्ट और प्रियंका घोष ने को-डायरेक्ट किया है। तो आप भी 17 फरवरी से सिर्फ डिज़्नी+

हॉटस्टार पर द नाइट मैनेजर के साथरहस्यों और साजिशों के जाल से रूबरू होने के लिए तैयार हो जाइए!अक्सर जो नजर आता है, हकीकत उससे कहीं अलग होती है... ये एक ऐसा ख्याल है, जो आपको शैलीरुंगटा और शान की दुनिया में गहरे उतरने पर मजबूर कर देगा। जब ताकत के भूखे, शैली नाम के एकदानी के साथ शान एवं रॉ में उनकी साथी लिपिका (तिलोत्तमा शोम द्वारा अभिनीत) का मुकाबला शुरूहोता है, तो शान एवं लिपिका का मकसद होता है कि वो शैली के गुप्त हथियारों के व्यापार और खुफियाविभाग की सांठ-गांठ के साथ-साथ शैली के सहयोगियों बीजे (सास्वता चटर्जी द्वारा अभिनीत) और जयू(रवि बहल द्वारा अभिनीत) को भी खत्म कर देन। इस सीरीज़ में शोभिता धूलिपाला उर्फ कावेरी ने शैलीरुंगटा की तेज-तर्रा रएवं आकर्षक गर्ल फ्रेंड की भूमिका निभाई है।इस सीरीज़ में जोरदार ड्रामा और शानदार नजारों के साथ-साथ अनिल कपूर, आदित्य रॉय कपूर, शोभिताधूलिपाला, तिलोत्तमा शोम, सास्वत चटर्जी और रवि बहल जैसे बेहतरीन कलाकारों ने दमदार रोल निभाएहैं।क्रिएटर एवं डायरेक्टर संदीप मोदी ने कहा, द नाइट मैनेजर एक बेहद रोचक कहानी और मनोरंजकथ्रिलर का परफेक्ट मिक्स्चर है, जो दर्शकों को उनकी सीट से बांधे रखेगा। अनिल कपूर और आदित्यरॉय कपूर जैसे इंडस्ट्री के बेस्ट एक्टर्स और दुनिया भर के जाने-माने टेक्नीशियन्स ने इस शो को लेकरहमारे नजरिए में जान डालने के लिए अपना सबकुछ दे दिया है। ड्रामा, साजिशों और शानदार नजारों सेभरपूर हाई-ऑक्टेन थ्रिलर, द नाइट मैनेजर में शान, शैली और हर एपिसोड में सामने आने वाले उनकेटकराव का सफर है। डिज़्नी + हॉटस्टार के साथ काम करना एक बेहतरीन अनुभव रहा और हम इसमनोरंजक कहानी के साथ दर्शकों से जुड़ने और उनका मनोरंजन करने की उम्मीद करते हैं।एक्टर अनिल कपूर उर्फ शैली रुंगटा ने कहा, स्पाय थ्रिलर में जबर्दस्त ट्विस्ट्स और चौंकाने वालेखुलासे होते हैं, और द नाइट मैनेजर में भी दर्शकों को अद्भुत अनुभव होगा। शैली रुंगटा साफ तौर परबुरा है, आप कभी अंदाज़ा नहीं लगा सकते कि उसका अगला कदम क्या होगा या वो इस सारी गड़बड़ीके पीछे है। लेकिन फिर एक ट्विस्ट में उसे अपना मैच मिलता है और फिर यह शो जो मोड़ लेता है, वोदर्शकों को उनकी सीट से बांध लेगा। डिज़्नी + हॉटस्टार के साथ हम इस सीरीज़ को ग्लोबल ऑडियंस केसामने लाने के लिए बेहद उत्साहित हैं।एक्टर आदित्य रॉय कपूर ने कहा, जब बदले और विश्वासघात का मिश्रण हो, तो हाई वोल्टेज ड्रामा तोहोना ही है। द नाइट मैनेजर उलझे हुए आकर्षक किरदारों के साथ इस ड्रामा को बखूबी पेश करता है।जैसा कि कहा जाता है, ठहरा हुआ पानी ज्यादा गहरा बहता है और मेरा किरदार शान भी इसी कहावतका प्रतीक है। कोई नहीं बता सकता कि उसके दिमाग में क्या चल रहा है, लेकिन आप जानते हैं किसबकुछ बहुत तेजी से बदल रहा है और कहानी एक आश्चर्यजनक मोड़ से दूसरे पर पहुंच जाती है।भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की कुछ बेहतरीन प्रतिभाओं के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा है,जिन्हें डिज्नी + हॉटस्टार की डायनामिक टीम ने इकट्ठा किया है।

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की अहम बैठक, त्रिपुरा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम पर मंथन

त्रिपुरा में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने अहम बैठक की। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य सहित भाजपा के शीर्ष नेता मौजूद रहे। बैठक में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, भाजपा के राज्य प्रभारी महेश शर्मा और राज्यसभा सांसद बिप्लब देब भी शामिल हुए।

इससे पहले दिन में भाजपा की त्रिपुरा इकाई के कोर ग्रुप के सदस्यों ने पार्टी नेता और पूर्वोत्तर के प्रभारी संबित पात्रा के आवास पर मुलाकात की। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में शुक्रवार को त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने की संभावना है।

60 सदस्यीय त्रिपुरा विधानसभा में 16 फरवरी को मतदान होगा। नामांकन भरने की अंतिम तिथि 30 जनवरी है। मतगणना दो मार्च को होगी। 2018 में भाजपा ने सीपीआई (एम) के 20 साल के शासन को समाप्त करते हुए त्रिपुरा में पहली बार सरकार बनाई थी।

चीन की पूर्वी लद्दाख क्षेत्र पर बुरी नजर, मजबूत र□ानीतिक उपस्थिति के लिए बढ़ा रहा सैन्य ताकत

चीन पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में मजबूत आर्थिक और सामरिक मौजूदगी चाहता है। यही वजह है कि चीन अधिक क्षेत्रों पर दावा करने के लिए भारत की ओर बिना बाड़ वाले स्थानों पर हावी होने के लिए आक्रामक रूप से अपनी सैन्य ताकत का विस्तार कर रहा है। यह बातें पिछले सप्ताह दिल्ली में हुई डीजीपी और आईजीपी की बैठक में प्रस्तुत किए गए नोट में कही गई हैं। आईपीएस अधिकारियों द्वारा तैयार किए गए नोट में कहा गया है कि चीन की वन बेल्ट वन रोड (OBOR) या चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC) परियोजना को देखते हुए भारत की सीमा रक्षा रणनीति को भविष्य के लिए आर्थिक प्रोत्साहन के साथ एक नया अर्थ और उद्देश्य दिया जाना चाहिए। नोट में सुझाव दिया गया है कि रणनीति क्षेत्र-विशिष्ट होनी चाहिए, जैसे- तुरतुक या सियाचिन सेक्टर और दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) या डेपसांग के मैदानी क्षेत्रों में सीमा पर्यटन को तेजी से बढ़ावा

दिया जा सकता है। काराकोरम दर्रे को घरेलू पर्यटकों के लिए खोलने का सुझाव नोट में कहा गया कि दौलत बेग ओल्डी में काराकोरम दर्रे को घरेलू पर्यटकों के लिए खोलने से विचारों में दूरदर्शिता आएगी, जिसका भारत के रेशम मार्ग के इतिहास से प्राचीन संबंध है। यह भी सुझाव दिया गया है कि 1930 के दशक के प्रसिद्ध दर्रे पर अभियानों को फिर से शुरू किया जा सकता है और ट्रेकिंग व लंबी पैदल यात्रा के क्षेत्रों को सीमित तरीके से खोला जा सकता है। नोट में कहा गया है कि चीन पूर्वी सीमा क्षेत्र में आक्रामक रूप से सैन्य ढांचे का निर्मा णकर रहा है ताकि वह भारत की ओर पेट्रोलिंग पॉइंट्स (पीपी) द्वारा चिन्हित गैर-बाड़ वाले क्षेत्रों पर हावी हो सके और वर्चस्व के लिए क्षेत्र पर अपना दावा कर सके। लद्दाख में तैनात एक अधिकारी ने नोट में लिखा है कि बातचीत के दौरान एक वरिष्ठ सैन्यकर्मी (अग्रिम मोर्चे पर तैनात) ने उनसे कहा कि अगर भारत 400 मीटर पीछे हटकर चार साल के लिए चीनी सेना के साथ शांति समझौता कर सकता है तो यह बेहतर होगा। यह नोट उन रिपोर्ट्स के बीच आया है, जिसमें दावा किया गया है कि प्रतिबंध या गश्त न करने के कारण 65 पेट्रोलिंग पॉइंट्स (पीपी) में से 26 पीपी में भारतीय सुरक्षा बलों की उपस्थिति खत्म हो गई है। नोट में यह भी कहा गया है कि चीन की बेल्ट एंड रोड परियोजना ने पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में सड़क और सैन्य बुनियादी ढांचे के निर्मा णके लिए चीनी सेना पीएलए को एक बड़ा उद्देश्य दिया है, जो चीनी उत्पादकों को मध्य एशियाई बाजार और पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह से जोड़ने वाली सीपीईसी परियोजना में भी मदद करेगा। डीजीपी बैठक में प्रस्तुत लेखों को वेबसाइट से हटाया गया

सूत्रों ने बताया कि देशभर के पुलिस महानिदेशकों और पुलिस महानिरीक्षकों की बैठक में जमा किए गए लेखों के सार-संग्रह को आधिकारिक वेबसाइट से हटा दिया गया है। यह लेख भारतीय पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर डाले गए थे।

जानिए पृथ्वीराज सुकुमारन का अपनी आगामी फिल्म सेल्फी के बारे में क्या कहना है

अपनी सुपरहिट फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस के हिंदी रीमेक सेल्फी का ट्रेलर लॉन्च में पृथ्वीराज सुकुमारन स्टेज पर नज़र आये। फिल्म में अक्षय कुमार, इमरान हाशमी, नुसरत भरुचा और डायना पेंटी हैं और इसे राज मेहता ने निर्देशित किया है।सेल्फी अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन के लिए एक बेहद खास प्रोजेक्ट है क्योंकि यह फिल्म साउथ में एक बहुत ही सफल कार्यकाल के बाद बॉलीवुड में एक निर्मा ता के रूप में उनके प्रवेश की पहचान बनेगी। सेल्फी पृथ्वीराज सुकुमारन की 2019 की मलयालम हिट ड्राइविंग लाइसेंस की रीमेक है, जिसे जीन पॉल लाल ने निर्देशित किया था।पृथ्वीराज सुकुमारन ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, "एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो मूल मटेरियल को डिवेलप करने के साथ बहुत निकटता से जुड़ा था, मुझे पता है कि यह कहां से शुरू हुआ, कैसे उसने ड्राइविंग लाइसेंस का रूप ले लिया और आज यह सेल्फी कैसे बन गया। मैं अपने निर्देशक राज

को ओरिजिनल रूप से सोचने के लिए पूरा श्रेय दूंगा कि यह फिल्म उस मटेरियल के साधन से संभव है, जिसके लिए वास्तव में बहुत टैलेंट की आवश्यकता होती है, विशेष रूप से एक कहानी को अलग तरह से बताने में सक्षम होने के साथ-साथ इसके मूल तत्वों को बनाए रखने में सक्षम होने के लिए। और अभी भी आपको वह महसूस कराते हैं जो मूल ने आपको महसूस कराया था।यह फिल्म कैसे बनी, इसके बारे में आगे बात करते हुए, पृथ्वीराज ने आगे कहा, "एक व्यक्ति जिसे मैं चुनना पसंद करूंगा और धन्यवाद देना चाहूंगा वह है अक्षय सर। उन्हीं की वजह से यह फिल्म बनी, मैंने एक दिन उन्हें फोन किया और मैंने उनसे कहा कि मैं चाहूंगा कि आप मेरी एक फिल्म देखें क्योंकि मेरा मानना है कि यह एक ऐसी कहानी है जिसे देश में हर जगह बताने की जरूरत है और बाकी इतिहास है।"पृथ्वीराज सुकुमारन के पास निर्देशक प्रशांत नील के साथ सालार, अली अब्बास ज़फ़र के साथ बड़े मियां छोटे मियां और उनके निर्देशन में बनी फिल्म एल2: एमपुरान जैसी फिल्मों के साथ पूरा बिजी साल है।

सूर्यकुमार बने आईसीसी के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

रेणुका वर्ष की उभरती क्रिकेटर

भारत के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में उनकी शानदार फॉर्म के चलते बुधवार को आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरूष क्रिकेटर चुना गया। सूर्यकुमार के लिए 2022 बेहतरीन रहा है जिसमें उन्होंने खेल के इस प्रारूप में कई रिकॉर्ड तोड़े और कई उपलब्धियां अपने नाम की। स्काई के नाम से मशहूर सूर्यकुमार ने सैम करेन, पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और जिम्बाब्वे के बल्लेबाजी आल राउंडर सिकंदर रजा को पछाड़ते हुए यह पुरस्कार हासिल किया।

महिलाओं के वर्ग में भारत की स्टार तेज गेंदबाज रेणुका सिंह आईसीसी की वर्ष की उभरती हुई महिला क्रिकेटर पुरस्कार हासिल करने में सफल रहीं। हालांकि भारतीय कप्तान और पिछले साल वर्ष की सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर नवाजी गईं स्मृति मंधाना इस साल आस्ट्रेलिया की तहलिया मैकग्रा से पिछड़ गईं। सूर्यकुमार टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक कैलेंडर वर्ष में 1000 से ज्यादा रन बनाने दूसरे बल्लेबाज भी बने और 32 साल के इस खिलाड़ी ने 187.43 के स्ट्राइक रेट से 1164 रन जोड़कर साल का अंत सर्वश्रेष्ठ रन बनाने वाले क्रिकेटर के तौर पर किया। इस दौरान उन्होंने 68 छक्के जड़े और इस प्रारूप के इतिहास में एक साल में किसी क्रिकेटर का यह सर्वाधिक छक्के जमाने का रिकॉर्ड रहा। पूरे साल सूर्यकुमार भारतीय टीम के मुख्य बल्लेबाज बने रहे और इस दौरान उन्होंने दो शतक और नौ अर्धशतक जड़े। आस्ट्रेलिया में आईसीसी पुरूष टी20 विश्व कप 2022 के दौरान वह अपने शिखर पर थे जिसमें उन्होंने छह पारियों में छह अर्धशतक जड़े जिसमें उनका औसत 60 के करीब रहा। उनका स्ट्राइक रेट फिर 189.68 रहा। साल के शुरू में एक शतक जड़ चुके सूर्यकुमार ने इसी शानदार लय को जारी रख वर्ष की शुरूआत की और न्यूजीलैंड में द्विपक्षीय श्रंखला में टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरा शतक जमाया। सूर्यकुमार शीर्ष रैंकिंग हासिल करने वाले टी20 खिलाड़ी बने जिसमें उन्होंने करियर के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक 890 हासिल किए। वहीं महिलाओं में 26 साल की रेणुका ने आस्ट्रेलिया की डार्सी ब्राउन, इंग्लैंड की एलिस कैप्से और हमवतन यास्तिका भाटिया को पछाड़कर एमर्जिंग प्लेयर पुरस्कार जीता। रेणुका ने 2022 में सफेद गेंद के दोनों प्रारूपों में महज 29 मैच में 40 विकेट अपने नाम किए और महान क्रिकेटर झूलन गोस्वामी के जाने से हुई कमी को भरने की कोशिश की। वनडे में रेणुका बेहतरीन रहीं, उन्होंने 18 विकेट झटके जिसमें से आठ विकेट इंग्लैंड के खिलाफ दो मैच से आए जबकि सात विकेट भारत की श्रीलंका के साथ श्रृंखला के दौरान मिले।

सिराज वनडे किकेट में नंबर एक गेंदबाज बने

दुबई। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज आईसीसी एक दिवसीय गेंदबाजों की रैंकिंग में पहली बार नंबर एक गेंदबाज बन गए। सिराज ने न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट और आस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड को पछाड़ा। पिछले 12 महीने में सिराज ने शानदार प्रदर्शन किया और श्रीलंका तथा न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में काफी परिपक्व गेंदबाजी भी की। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों में नौ विकेट लिए और न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में चार विकेट चटकाए थे। उनके पास 729 रेटिंग अंक है जबकि हेजलवुड उनसे दो अंक ही पीछे हैं।मोहम्मद शमी 11 पायदान चढकर 32वें स्थान पर हैं। वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम शीर्ष पर बने हुए हैं। भारत के तीन खिलाड़ी शीर्ष दस में हैं।

सानिया-बोपन्ना ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मिश्रित युगल फाइनल में

अपने करियर का अंतिम ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट खेल रही सानिया मिर्जा ने बुधवार को यहां हमवतन भारतीय रोहन बोपन्ना के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल फाइनल में जगह बनाई जहां उनकी नजरें सातवें मेजर खिताब पर टिकी हैं। गैरवरीय भारतीय जोड़ी ने एक घंटे और 52 मिनट चले सेमीफाइनल में डेसिरे क्रॉसिक और नील स्कुपस्की की तीसरी वरीय जोड़ी को कड़े मुकाबले में 7-6(5) 6-7(5) 10-6 से हराया। शुरुआती सेट जीतने और फिर दूसरा सेट गंवाने के बाद भारतीय जोड़ी ने सुपर टाईब्रेकर में अच्छी शुरुआत की। सानिया ने बैकहैंड विनर के साथ तीन मैच प्वाइंट हासिल किए और फिर अगले अंक पर मुकाबला जीत लिया जब क्रॉसिक ड्राइव वॉली को लौटाने में नाकाम रहीं।

सानिया ने मैच के बाद कहा, यह शानदार मैच था, काफी नर्वस थे। यह मेरा आखिरी ग्रैंडस्लैम है और रोहन के साथ खेलना विशेष है। वह मेरा पहला मिश्रित युगल जोड़ीदार था जब मैंने 14 साल की उम्र में उसके साथ जोड़ी बनाई थी और अब मैं 36 और वह 42 साल का है। हम अब भी खेल रहे हैं और हमारा रिश्ता बहुत मजबूत है। सानिया ने घोषणा की है कि फरवरी में दुबई में होने वाला डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट उनके करियर का आखिरी टूर्नामेंट होगा। उन्होंने अमेरिका और इंग्लैंड के अपने प्रतिद्वंद्वियों के संदर्भ में कहा, हम यहां पर एक बार फिर उतरकर और खुद को एक और मौका देने को लेकर उत्साहित हैं। हम टूर पर सर्वश्रेष्ठ मिश्रित युगल जोड़ी से खेल रहे थे और हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था।

हमवतन महेश भूपति के साथ 2009 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के रूप में अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाली सानिया ने कहा, मैं पिछले 18 साल से यहां खेलने के प्यार को महसूस कर सकती हूं। यह मेरे लिए घर की तरह है, यहां मेरा परिवार है, मैं घर में खाना खाती हूं और इतने सारे भारतीय मेरा समर्थन करते आते हैं। सानिया ने इसके बाद 2016 में स्विट्जरलैंड की दिग्गज मार्टिना हिंगिस के साथ मिलकर मेलबर्न पार्क में महिला युगल खिताब भी जीता। फ्रेंच ओपन में कनाडा की गैब्रिएला दाब्रोवस्की के साथ मिलकर मिश्रित युगल खिताब के रूप में अपने करियर का एकमात्र ग्रैंडस्लैम जीतने वाले बोपन्ना ने कहा कि टाईब्रेक में मौकों का फायदा उठाना महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, जैसा कि सानिया ने कहा था कि हम कड़ी टीम के खिलाफ खेल रहे थे। दूसरा सेट गंवाने के बाद लय बनाए रखना आसान नहीं था लेकिन हम मजबूत बने रहे और शुरुआती बढ़त हासिल की जिससे हमें लय मिली।

बोपन्ना ने कहा, सानिया के साथ कोर्ट साझा करके वास्तव में खुशी हो रही है। यह शानदार यात्रा रही, स्वदेश में सभी के लिए प्रेरणादाई और आज यहां इतने सारे प्रशंसकों के लिए। उन्होंने कहा, एक और मुकाबला बचा है। यह सपना है (सानिया के साथ खिताब जीतना)। यह इससे बेहतर नहीं हो सकता। यह विशेष होगा और हमें भारत में इसकी आवश्यकता है, सभी को प्रेरित करते रहें। सानिया के छह ग्रैंडस्लैम खिताब में से तीन मिश्रित युगल हैं जो उन्होंने महेश भूपति (2209 ऑस्ट्रेलियाई ओपन, 2012 फ्रेंच ओपन) और ब्राजील के ब्रूनो सोरेस (2014 अमेरिकी ओपन) के साथ जीते।सानिया ने अपने तीनों मीहिला युगल ग्रैंडस्लैम खिताब हिंगिस (विंबलडन 2015, अमेरिकी ओपन 2015 और ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2016) के साथ मिलकर जीते।

भारत के खिलाफ श्रृंखला में अश्विन सबसे कठिन चुनौतियों में से : रेनशॉ

आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैट रेनशॉ ने स्वीकार किया कि भारत के खिलाफ नौ फरवरी से शुरू हो रही चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला में स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को खेल पाना सबसे कठिन होगा। नागपुर में शुरू हो रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से पहले सभी का फोकस इस बात पर है कि आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज इस धुरंधर भारतीय आफ स्पिनर को कैसे खेलते हैं। अश्विन 2021 में बाएं हाथ के 200 बल्लेबाजों को आउट करने वाले पहले गेंदबाज बने थे। आस्ट्रेलियाई टीम में डेविड वॉर्नर, उस्मान ख्वाजा, ट्रेविस हेड, विकेटकीपर एलेक्स कारी और खुद रेनशॉ समेत कई खब्बू बल्लेबाज हैं। रेनशॉ ने एएपी से कहा , अश्विन को खेलना कठिन है। वह चतुर गेंदबाज है और उसके पास काफी विविधता है जिसका वह बखूबी इस्तेमाल करता है। लेकिन उसे कुछ समय खेलने के बाद आसान हो जाता है। खब्बू बल्लेबाजों के लिए वह कठिन चुनौती है। उन्होंने कहा , उसकी टर्न लेती गेंद पर स्लिप में कैच आउट होने का खतरा रहता है लेकिन स्पिन नहीं लेने वाली गेंद पर आप पगबाधा हो सकते हैं। उसके लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि बिग बैश लीग में खेलने के उन्हें तैयारी में काफी मदद मिली क्योंकि उनकी टीम स्पिनरों से भरी हुई थी। उन्होंने कहा , भारत में हालांकि हालात अलग होंगे लेकिन हमने उसे ध्यान में रखकर पूरी तैयारी की है। भारत जाने पर हमारे पास एक हफ्ते का समय होगा जिसमें हम तैयारी पुख्ता कर लेंगे।

सेन और साइना दूसरे दौर में, प्रणय बाहर

इंडोनेशिया मास्टर्स

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा लेकिन उनके हमवतन लक्ष्य सेन और साइना नेहवाल ने बुधवार को यहां इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए क्रमश: पुरूष और महिला एकल स्पर्धा के दूसरे दौर में प्रवेश किया। दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी सेन ने टूर्नामेंट के अपने शुरूआती मैच में जापान के कोडाई नाराओका को 21-12 21-11 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। इस नए सत्र में हालांकि सेन की शुरूआत अच्छी नहीं रही है क्योंकि पिछले दो हफ्तों में वह मलेशिया और इंडिया ओपन में शुरू में बाहर हो गए थे। इंडिया ओपन के दूसरे दौर तक पहुंची साइना ने चीनी ताइपे की पाई यु पो पर 21-15 17-21 21-15 की जीत से प्री क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। सातवें वरीय सेन का सामना अब मलेशिया के निग जे योंग से होगा जबकि साइना की टक्कर चीन की आठवीं वरीय हान युइ से होगी। दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय को लगातार दूसरे टूर्नामेंट में पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें जापान के केंटा सुनेयामा के खिलाफ 19-21 10-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। वह मलेशिया सुपर 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे थे लेकिन पिछले हफ्ते इंडिया ओपन के पहले दौर में हार गए थे। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत फिर बढ़त गंवाकर मैच गंवा बैठे। उन्हें 39 मिनट में 10-21 22-24 से हार मिली। क्वालीफायर के जरिए मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाले प्रियांशु राजावत को इंडोनेशिया के चिको ऑरा ड्वारडोयो के खिलाफ 21-18 18-21 18-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। महिला एकल में मालविका बंसोड़ को एकतरफा मुकाबले में थाईलैंड की पांचवीं वरीय रतचानोक इंतानोन के हाथों 15-21 13-21 से हार का सामना करना पड़ा जबकि आकर्षी कश्यप को स्पेन की क्लारा अजुरमेंदी के हाथों 17-21 15-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। मिश्रित युगल में इशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी को पहले दौर में थोम गिब्रेल और डेलफाइनल डेलरुए की फ्रांच की तीसरी वरीय जोड़ी ने 21-16 21-15 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

बंजारा महाकुंभ का आयोजन कर रहा आरएसएस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) महाराष्ट्र के जलगांव में बुधवार से घुमंतु जातियों पर केंद्रित छह दिवसीय बंजारा महाकुम्भ का आयोजन कर रहा है। संघ के पदाधिकारियों को इस आयोजन में अनुमानित 10 लाख लोगों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बंजारा महाकुंभ का आयोजन ऐसे समय में कर रहा है जब 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव तथा इस वर्ष कुछ राज्यों में आसन्न विधानसभा चुनाव को लेकर जनजातीय समुदायों को खास तवज्जो दी जा रही है। आरएसएस के एक पदाधिकारी ने बताया कि इस कार्यक्रम में संघ के वरिष्ठ प्रचारक सुरेश भैय्याजी जोशी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस हिस्सा लेंगे।

महाकुंभ की तैयारियों में शामिल पदाधिकारियों के अनुसार, इस सम्मेलन का आयोजन मिशनरियों द्वारा बंजारा समुदाय के लोगों के धर्मांतरण के बढ़ते मामलों के खिलाफ जागरूकता फैलाने के साथ इस समुदाय के लोगों तक पहुंच बनाने की कोशिशों के तहत किया जा रहा है। इस महाकुंभ के आयोजन का महत्व तब बढ़ जाता है जब कर्नाटक, मध्य प्रदेश, तेलंगाना जैसे राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं जहां इस समुदाय के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। संघ के पदाधिकारी ने कहा कि इस महाकुंभ में गोड बंजारा, लाबना और नैकदा जैसी घुमंतु जातियों के 10 लाख से अधिक लोगों के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

आरएसएस के एक वरिष्ठ प्रचारक ने कहा कि महाराष्ट्र और गोवा से भी इस समुदाय के लोग सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि घुमंतु जातियों के साधु संत एवं समाज के गणमान्य लोग इन समुदायों तक पहुंच रहे हैं और उन्हें महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। इनके ठहरने के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से ईसाई मिशनरियों द्वारा बंजारा समुदाय को गुमराह करके धर्मांतरण कराया जा रहा है। इस महाकुंभ की तैयारियों में बंजारा समुदाय के युवा और आरएसएस के 3000 स्वयंसेवक पिछले दो महीने से लगे हुए हैं। इसका आयोजन जलगांव के गोदरी गांव में 500 एकड़ क्षेत्र में किया जा रहा है।

संघ की प्रतिनिधि सभा की बैठक 12-14 मार्च को सोनीपत में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की वार्षिक अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक 12-14 मार्च, 2023 को हरियाणा के सोनीपत में, समालखा में आयोजित होगी। इसमें संघ के कार्यों, विस्तार योजना, शिक्षा वर्ग तथा समसामयिक परिस्थितियों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने ट्वीट किया, हरियाणा के सोनीपत में समालखा में 12-14 मार्च, 2023 को आरएसएस की वार्षिक अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक आयोजित की जा रही है। संघ के एक अन्य पदाधिकारी ने बताया कि इस बैठक में कुछ विषयों पर प्रस्ताव भी आ सकते हैं। इस बैठक में आरएसएस के कार्यवृत्त, संघ कार्य विस्तार की आगामी वर्ष की योजना, संघ शिक्षा वर्ग योजना का लेखाजोखा प्रस्तुत किया जाएगा और वर्तमान परिस्थिति पर चर्चा होगी। आमतौर पर देशभर से संघ के आनुषांगी संगठनों के 1450 प्रतिनधि शामिल होते हैं। प्रतिनिधि सभा की बैठक में सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के अलावा सभी सह सरकार्यवाह एवं अन्य पदाधिकारी शामिल होंगे। इसमें प्रांतों से सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों, क्षेत्र एवं प्रांत के संघचालक, कार्यवाह, प्रचारकों के साथ संघ प्रेरित विविध संगठन के अखिल संगठन मंत्री एवं उनके सहयोगी भी शामिल होते हैं।

परिवार के सात सदस्यों के शव नदी में मिले, पांच रिश्तेदार गिरफ्तार

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में एक परिवार के सात सदस्यों की मौत के मामले की जांच कर रही पुलिस ने संकेत दिया है कि बेटे की मौत से जुड़ी एक पिछली घटना को लेकर उनके रिश्तेदारों ने कथित तौर पर उनकी (परिवार की) हत्या कर दी। मृतकों की पहचान मोहन पवार (45), उनकी पत्नी संगीता मोहन (40), उनकी बेटी रानी फुलवारे (24), दामाद श्याम फुलवारे (28) और तीन से सात साल की आयु के तीन बच्चों के रूप में हुई है। सातों शवों को 18 जनवरी से 24 जनवरी के बीच पुणे जिले की दौंड तहसील में परगाँव पुल के पास भीमा नदी से बरामद किया गया था। पुलिस ने पांच भाई-बहन, अशोक कल्याण पवार, श्याम कल्याण पवार, शंकर कल्याण पवार, प्रकाश कल्याण पवार और कांताबाई सर्जेराव जाधव को गिरफ्तार किया है। ये सभी लोग मृतक मोहन पवार के चचेरे भाई हैं। जांच के दौरान मिले तथ्यों से संकेत मिलता है कि सभी मृतकों की हत्या की गई थी। प्रथम दृष्टया यह संकेत मिल रहा है कि आरोपी अशोक पवार के बेटे धनंजय पवार की कुछ महीने पहले एक दुर्घटना में मौत हो गई थी और इससे संबंधित एक मामला पुणे शहर में दर्ज किया गया था। गोयल ने कहा, प्रथम दृष्टया जांच से यह संकेत मिलता है कि अशोक गुस्से में था और उसने धनंजय की मौत के लिए मोहन के बेटे को जिम्मेदार ठहराया। अशोक ने अपने बेटे की मौत का बदला लेने के लिए इन सात लोगों की हत्या कर दी। सभी आरोपियों को अहमदनगर जिले की पारनेर तहसील से पकड़ा गया। उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 120 बी (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया गया। सभी को अदालत में पेश किया जाएगा। फिलहाल मामले की जांच जारी है। इससे पहले पुलिस ने बताया था कि, शव भीमा नदी के उथले हिस्से में एक-दूसरे से 200 से 300 मीटर की दूरी पर मिले थे। चार शवों का पोस्टमार्टम किया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया था कि चारों की मौत पानी में डूबने की वजह से हुई थी।

सुभाष घई की पार्टी में आमने-सामने आए सलमान खान और ऐश्वर्या राय बच्चन

फिल्म निर्माता सुभाष घई ने इंडस्ट्री के अपने दोस्तों के साथ अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया। सलमान खान, अनिल कपूर, ऐश्वर्या राय बच्चन, कार्तिक आर्यन और अन्य बॉलीवुड सितारों को सोमवार को बैश में देखा गया। विशेष अवसर से पहले, उनकी बेटी मेघना घई पुरी ने मुंबई के बांद्रा में उनके लिए एक पार्टी रखी। इस पार्टी में सबका ध्यान सलमान खान और ऐश्वर्या राय बच्चन ने खींचा। एक समय में दोनों ने एक दूसरे के साथ एक अच्छा रिश्ता साझा किया था लेकिन दोनों के बीच बाद में एक भयानक झकड़ा हुआ जिसके बाद से दोनों अलग हो गए।

सुपरस्टार सलमान खान, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अनुपम खेर, कार्तिक आर्यन और अन्य प्रशंसित निर्देशक का जन्मदिन मनाने के लिए एक साथ आए। स्टार कपल ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन भी पार्टी में पहुंचे। उपस्थित अन्य लोगों में अनीज़ बज़्मी, मीज़ान जाफ़री, रोहित और रोनित रॉय, अलका याग्निक और बहुत कुछ थे।

पार्टी में कूल कैजुअल अवतार में पहुंचे सलमान काफी हैंडसम लग रहे थे। मैरून पैंट, गहरे हरे रंग की टी-शर्ट और एक कॉरडरॉय जैकेट ने रात के लिए उनका लुक पूरा किया। ऐश और अभिषेक ब्लू कलर के आउटफिट में नजर आए। जहां ब्यूटी क्वीन ने नीले और सफेद अनारकली को चुना, वहीं उनके पति फॉर्मल में दिखे। अनिल कपूर और अनुपम खेर पैपराजी को एक साथ पोज देते नजर आए।

भूल भुलैया 2 स्टार कार्तिक आर्यन भी सोमवार को सुभाष घई के जन्मदिन की पार्टी में शामिल हुए। इसे उन्होंने टी-शर्ट और जींस में कैजुअल रखा था। घई का खास दिन मनाने के लिए राकेश रोशन भी बिरादरी के अपने दोस्तों के साथ शामिल हुए।

फिल्म पठान की एडवांस बुकिंग की खबरों से दिल से खुश हूं: अजय देवगन

अभिनेता अजय देवगन ने मंगलवार को कहा कि वह चाहते हैं कि हर फिल्म सुपरहिट हो और उन्हें इस बात की खुशी है कि शाहरुख खान की आने वाली फिल्म पठान रिकॉर्ड एडवांस बुकिंग की ओर बढ़ रही है। देवगन की दृश्यम 2 2022 में सबसे अधिक कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों में शुमार थी। फिल्म ने दुनियाभर में 280 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की थी। देवगन ने कहा कि फिल्म उद्योग को सुपरहिट फिल्मों की जरूरत है ताकि सिनेमा वैश्विक महामारी के पहले के स्तर पर पहुंच पाए। अभिनेता ने कहा, फिल्म (दृश्यम 2) के सुपरहिट होने के बाद, मैं कहूंगा कि हमें और तीन-चार सुपरहिट फिल्में चाहिए क्योंकि वैश्विक महामारी के बाद चीज़े काफी ठंडी पड़ गई हैं। हमें लोगों को फिल्म देखने के लिए दोबारा सिनेमाघरों तक आने को मजबूर करना होगा। अच्छा होने की कामना करें। देवगन ने अपनी आने वाली फिल्म भोला का टीज़र जारी करते हुए कहा, मैं चाहता हूं कि हर फिल्म शानदार प्रदर्शन करे। अब पठान रिलीज हो रही है और उसकी एडवांस बुकिंग की जो खबरें आ रही हैं वे खुश करने वाली हैं और मैं दिल से बहुत खुश हूं। फिल्म निर्माण कंपनी यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी फिल्म पठान में शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म जगत के विशेषज्ञों का मानना है कि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की ओपनिंग 45 से 50 करोड़ रुपए के बीच होगी। फिल्म आरआरआर को वैश्विम मंचों पर मिल रही सराहना पर देवगन ने कहा, जब फिल्म चलती है, तो पूरे फिल्म जगत को इससे फायदा होता है। इसी तरह राजामौली फिल्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले गए। आज हम खबरें पढ़ रह हैं कि जेम्स कैमरून और अन्य फिल्म के बारे में क्या बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आरआरआर के जरिए हमारे फिल्म जगत को पहचान मिली, जो काफी बड़ी बात है और हमें इस बात पर गर्व है। इसलिए, मैं कामना करता हूं कि फिल्म को अधिक से अधिक नामांकन और पुरस्कार मिलें और यह हम सभी के लिए अच्छा होगा। राजामौली की फिल्म आरआरआर के गीत नाटु नाटु ने गोल्डन ग्लोब पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ गीत की श्रेणी में पुरस्कार जीता है। इस गीत को क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स (सीसीए) का विजेता घोषित किया गया है, वहीं फिल्म को सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा की फिल्म घोषित किया गया है।

रोमांटिक-कॉमेडी फिल्में बनाना कठिन, इसमें किरदार के पीछे छिपने की गुंजाइश नहीं : रणबीर कपूर

अभिनेता रणबीर कपूर जल्द ही रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म तू झूठी मैं मक्कार में नजर आएंगे। अपने फिल्मी कॅरियर में रॉकस्टार, बर्फी, और संजू जैसी फिल्मों में काम कर चुके अभिनेता ने कहा कि उन्हें रोमांटिक-कॉमेडी फिल्में करना ज्यादा मुश्किल लगता है क्योंकि इनमें फिल्म के किरदार के पीछे छिपने की कोई गुंजाइश नहीं होती है। वर्ष 2022 की सबसे बड़ी सुपरहिट फिल्मों में शामिल एक ब्रह्मास्त्रः पार्ट वन शिव के बाद अभिनेता अब फिल्म निर्माता लव रंजन की फिल्म तू झूठी मैं मक्कार में नजर आएंगे। वर्ष 2013 की सुपरहिट फिल्म ये जवानी है दीवानी के बाद रणबीर इस शैली की फिल्म में आ रहे हैं।

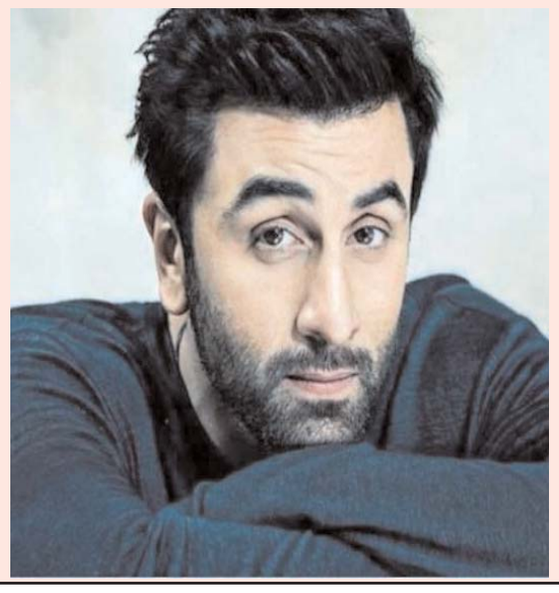

इस तरह की शैली वाली फिल्मों में पिछले कुछ साल में अपनी अनुपस्थिति के बारे में बताते हुए वह कहते हैं, मैं सिर्फ इस बात को लेकर असुरक्षित महसूस करता हूं कि मेरे व्यक्तित्व में कोई कमी न हो और मैं इस शैली की फिल्मों के माध्यम से लोगों का मनोरंजन कर सकूं।

फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर संवाददाताओं से बात करते हुए अभिनेता ने कहा, अभिनेताओं के चेहरे और व्यक्तित्व बहुत सीमित होते हैं। कभी-कभी, आप उनमें से बाहर निकल जाते हैं, और आपको किरदारों की आवश्यकता होती है। रोमांटिक-कॉमेडी सबसे कठिन शैली है। संजू या रॉकस्टार जैसी फिल्मों में किरदार के पीछे छिपा जा सकता है, लेकिन तू झूठी मैं मक्कार जैसी फिल्मों में नहीं। रणबीर कपूर ने कहा कि प्यार का पंचनामा 2 देखने के बाद उन्होंने फिल्म निर्माता रंजन से बात की और उनके साथ काम करने की इच्छा जताई। शुरुआत में दोनों ने एक अन्य फिल्म में काम करने की योजना भी बनाई जिसमें अजय देवगन भी थे, लेकिन जब निर्देशक ने तू झूठी मैं मक्कार के बारे में बताया तो उन्होंने इस फिल्म के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया। रणबीर कपूर के साथ इस फिल्म में अभिनेत्री श्रद्धा कपूर भी नजर आएंगी। कपूर ने कहा, मैं श्रद्धा को बचपन से जानता हूं क्योंकि हमारे माता-पिता दोस्त हैं। इसलिए, हम लंबे समय से दोस्त हैं। उनके साथ काम करते हुए मैंने महसूस किया कि हम दोनों की रचनात्मक ऊर्जा एक जैसी है। वह उसी तरह के जुनून, समर्पण और जोश के साथ आती हैं। वह ऐसी अभिनेत्री हैं जिन्हें बहुत से लोग प्यार करते हैं। उनकी उपस्थिति ने तू झूठी मैं मक्कार को बहुत महत्व दिया। यह लव की प्रतिभा है कि उन्होंने हमें एक साथ रखा। रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर की फिल्म तू झूठी मैं मक्कार रंजन और अंकुर गर्ग की लव फिल्म्स द्वारा निर्मित है जिसे टी-सीरीज़ द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है। यह फिल्म बड़े पर्दे पर 8 मार्च को रिलीज होगी।

शाहरुख खान की फिल्म पठान को बीबीएफसी ने दी 12ए रेटिंग

अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म पठान के रिलीज होने से पहले ब्रिटिश फिल्म वर्गीकरण बोर्ड (बीबीएफसी) ने उसे 12ए रेटिंग दी है। फिल्म दुनियाभर में 25 जनवरी को रिलीज हो रही है। बीबीएफसी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर पठान की रेटिंग और उसका विवरण साझा किया। रेटिंग प्रणाली के अनुसार, 12 वर्ष से कम उम्र का कोई भी बच्चा सिनेमाघर में 12ए रेटिंग वाली फिल्म तब तक नहीं देख सकता जब तक कि उसके साथ कोई वयस्क न हो। 12ए रेटिंग की फिल्म देखने के लिए 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चे को ले जाने की योजना बना रहे वयस्कों को यह विचार करना चाहिए कि क्या फिल्म उस बच्चे के लिए उपयुक्त है या नहीं। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी पठान एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जिसमें एक खुफिया अधिकारी और किसी जमाने में ठग रह चुका एक शख्स एक घातक सिंथेटिक वायरस को फैलने से रोकने के लिए मिलकर काम करते हैं। बीबीएफसी की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, फिल्म में खून-खराबे, सेक्स के हल्के-फुल्के संदर्भ और बिना विवरण के वेश्यावृत्ति के मौखिक संदर्भ के कारण इसे 12ए रेटिंग दी गई है। फिल्म में गोलीबारी, छुरा घोंपना, गला घोंटना और विस्फोट करने के साथ-साथ हाथापाई के दृश्य भी हैं। फिल्म निर्माण कंपनी यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम मुख्य भूमिका में हैं। सुपरस्टार शाहरुख खान आखिरी बार 2018 में आई फिल्म जीरो में मुख्य भूमिका में नजर आए थे। यशराज फिल्म्स के अनुसार, फिल्म को हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषा में 100 से अधिक देशों में रिलीज किया जाएगा।

विहिप ने पठान के खिलाफ विरोध वापस लिया

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की गुजरात इकाई ने रिलीज से एक दिन पहले शाहरुख खान अभिनीत फिल्म पठान के खिलाफ अपना विरोध मंगलवार को वापस ले लिया और फिल्म से आपत्तिजनक सामग्री को हटाने पर संतोष जताया। विहिप की गुजरात इकाई के सचिव अशोक रावल ने एक बयान में कहा कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने फिल्म में अश्लील गीत और भद्दे शब्द को संशोधित किया है, इसलिए दक्षिणपंथी समूह अब इसकी रिलीज का विरोध नहीं करेंगे। बेशरम रंग गाने में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को भगवा रंग की बिकिनी में दिखाने के लिए पठान को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। विहिप सहित कई संगठनों के नेताओं ने फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी, जो बुधवार को रिलीज होने वाली है। रावल ने दावा किया कि सेंसर बोर्ड ने अपने हालिया परिपत्र में गाने, रंग और कपड़ों को लेकर 40 से 45 सुधार किए हैं, जिससे मुद्दों का समाधान हो गया, इसलिए अब उन्हें विरोध करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने दावा किया कि यह हिंदू समुदाय की जीत है। विहिप नेता ने एक बयान में कहा, पठान के खिलाफ बजरंग दल के विरोध के बाद सेंसर बोर्ड ने फिल्म में अश्लील गीत और भद्दे शब्दों को संशोधित किया है, जो अच्छी खबर है। मैं सभी कार्यकर्ताओं और पूरे हिंदू समुदाय को बधाई देता हूं, जिन्होंने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए यह सफल संघर्ष किया।

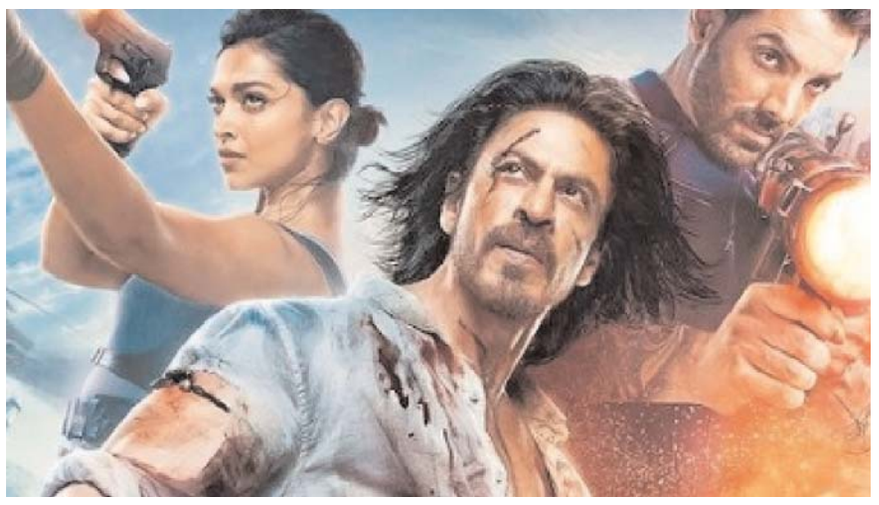

सात सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फुकरे 3

हिट हास्य फिल्म फुकरे का तीसरा भाग सात सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगा। फिल्म के निर्माताओं ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म का आधिकारिक पोस्टर ट्विटर पर जारी कर दिया गया है। इसके साथ फिल्म के रिलीज के तारीख की भी घोषणा की गई है। हास्य फिल्म फुकरे चार दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। इन किरदारों को हनी (पुलकित सम्राट), चूचा (वरुण शर्मा), लाली (मनजोत सिंह) और जफर (अली फजल) ने निभाया है। फिल्म में चारों आसानी से पैसा कमाने के लिए साथ आते हैं।

इसके अलावा इस फिल्म में स्थानीय गैंगस्टर के किरदार में भोली पंजाबन (ऋचा चड्ढा) और पंडित जी के रूप में पंकज त्रिपाठी भी हैं। वहीं, मृगदीप सिंह लांबा पहले दो भागों - फुकरे (2013) और फुकरे रिटर्न्स (2017) को निर्देशित करने के बाद तीसरी फिल्म के निर्देशक के रूप में वापसी कर रहे हैं।

एक दूजे के हुए केएल राहुल और अथिया शेट्टी

अथिया शेट्टी और केएल राहुल अब आधिकारिक तौर पर शादी कर चुके हैं। सुनील शेट्टी के खंडाला फार्महाउस में शादी के बंधन में बंधने से पहले इस जोड़ी ने कई सालों तक डेट किया। शादी का उत्सव तीन दिनों तक चला, जिसकी शुरुआत संगीत समारोह से हुई, जिसके बाद हल्दी, मेहंदी और शादी हुई। अथिया और केएल राहुल आखिरकार 23 जनवरी को शाम 4 बजे शादी के बंधन में बंध गए। केएल राहुल और अथिया अब पति-पत्नी हैं। शादी एक निजी समारोह था जिसमें करीबी दोस्त और परिवार शामिल हुए थे। अनुपम खेर, ईशांत शर्मा, अंशुला कपूर, कृष्णा श्रॉफ सहित अन्य को विवाह स्थल में प्रवेश करते देखा गया। मेजबान ने कवरेज के दौरान उन्हें उचित दावत देकर मीडिया का मनोरंजन करना सुनिश्चित किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेहमानों को केले के पत्ते पर एक शानदार दक्षिण भारतीय दावत दी गई। अथिया और केएल राहुल ने कुछ साल पहले इंस्टाग्राम पर अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था और साथ में उनकी तस्वीरों ने हमेशा प्रशंसकों को खुश किया है। सुनील शेट्टी ने केएल राहुल के बारे में हमेशा प्यार से बात की है। दोनों की शादी की अफवाहें कई महीनों से चल रही थीं, लेकिन इस जोड़े ने 23 जनवरी को खंडाला स्थित अपने फार्महाउस में शादी के बंधन में बंधने का फैसला किया।

झिम्मा 1 की चौंका देने वाली सफलता के बाद, झिम्मा 2 की तैयारी

आनंद एल राय और कलर येलो प्रोडक्शंस ने मराठी सिनेमा में अपने पहले वेंचर के रूप में सुखिंयां बटोरीं, जिसका शीर्षक था आत्मापम्फलेट ने बर्लिन फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित होने के लिए विश्व स्तर पर यात्रा की। जितना बॉलीवुड और टॉलीवुड ने हमारे देश को गौरवान्वित किया है, उतना ही क्षेत्रीय सिनेमा भी सिनेमा के माध्यम से बेहतरीन कहानियां देकर ट्रेंडसेटर के तौर पर उभर रहा है। चलचित्र मंडली के साथ आनंद एल राय के कलर येलो प्रोडक्शंस ने झिम्मा 2 की घोषणा की, जो मराठी में 2021 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म झिम्मा का सीक्वल है। आनंद एल राय ने साझा किया, हम मराठी सिनेमा में एक और फिल्म करके बहुत खुश हैं। फिल्म के पहला भाग ने एक बड़ी सफलता हासिल कि थी और 2021 के शीर्ष ग्रॉसर्स में से एक भी थी। फिल्म में एक मजबूत संदेश है जो दर्शकों के साथ अच्छी तरह से प्रतिध्वनित हुआ और इसलिए हमने आपके लिए झिम्मा 2 लाने में चलचित्र मंडली का समर्थन करने का फैसला किया। मैं हेमंत और क्षिती के साथ हाथ मिलाकर बहुत खुश हूं।

निर्देशक हेमंत धोमे कहते हैं, झिमा सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, बल्कि एक जुनूनी परियोजना थी। जिस तरह से दर्शकों ने इसे प्राप्त किया वह दिल को छू लेने वाला था। दूसरा भाग निश्चित रूप से बेहतर और बड़ा होने वाला है। टीम में आनंद एल राय जैसी हस्तियों के साथ, हम निश्चित रूप से एक और आशाजनक परियोजना दे रहे हैं। झिम्मा की कहानी विभिन्न आयु समूहों और सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की सात महिलाओं के एक साथ आने और जीवन का जश्न मनाने के इर्द-गिर्द घूमती है। कलर येलो प्रोडक्शन और चलचित्र मंडली ने एक टीज़र वीडियो के साथ झिम्मा 2 की घोषणा की। यह वीडियो झिम्मा के सबसे लोकप्रिय दृश्यों में से एक का रीक्रिएशन है।

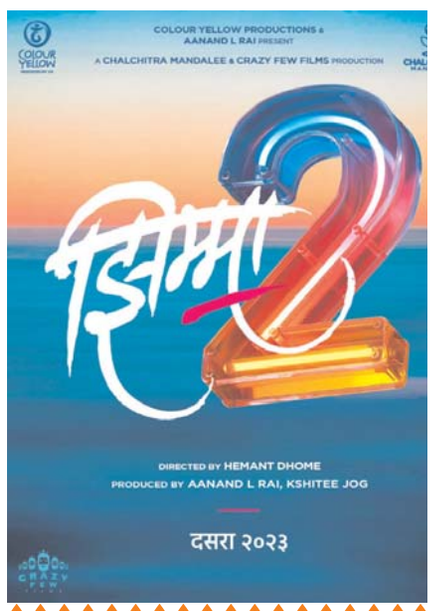

अपनी अगली फिल्म में छत्रपति संभाजी महाराज के किरदार में नजर आएंगे विक्की कौशल

अभिनेता विक्की कौशल अपनी अगली फिल्म में छत्रपति संभाजी महाराज के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म निर्देशक लक्ष्मन उतेकर ने इसकी पुष्टि की है। छत्रपति संभाजी महाराज मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे हैं। निर्देशक लक्ष्मन उतेकर ने कहा, विक्की कौशल यह ऐतिहासिक किरदार निभाने के लिए बिल्कुल सही पसंद हैं। फिल्म मिमी के निर्देशक उतेकर और विक्की कौशल की एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म भी जल्द रिलीज होने वाली है। निर्देशक ने कहा, विक्की कौशल का व्यक्तित्व, उनकी कद-काठी और काया छत्रपति संभाजी महाराज से मेल खाती है। इसके अलावा विक्की एक शानदार कलाकर हैं। हमने कोई लुक टेस्ट नहीं किया क्योंकि मुझे यकीन था कि वही संभाजी महाराज की भूमिका निभा सकते हैं। निर्देशक ने कहा, विक्की कौशल को चार महीने तक तलवारबाजी, घुड़सवारी और अन्य चीजों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। तैयारी पूरे होने के बाद ही हम शूटिंग शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि वह छत्रपति संभाजी महाराज की कहानी को बड़े पर्दे पर दिखाने को उत्साहित हैं। उतेकर ने कहा, हमने छत्रपति शिवाजी महाराज पर कई फिल्में देखी हैं, लेकिन कोई नहीं जानता कि छत्रपति संभाजी महाराज कितने बड़े योद्धा थे या मराठा साम्राज्य और महाराष्ट्र के लिए उनका योगदान क्या है। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग अगस्त-सितंबर में शुरू की जाएगी। फिल्म का निर्माण दिनेश विजान की कंपनी मैडाक फिल्म्स के बैनर तले किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस के लिए नारी शक्ति की थीम

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

जैसा कि गणतंत्र दिवस के समारोह ने नारी शक्ति के विषय के साथ सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसका सभी मोर्चों पर प्रतिनिधित्व किया जा रहा है। उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों, कर्म चारियों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ संस्थान स्तर पर समारोह के लिए थीम शामिल थे। संस्थानों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में निबंध, कविता, नारा लेखन, पेंटिंग, लोगो डिजाइन और कई अन्य प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम शामिल थे। इस विषय ने सभी क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों का उत्सव मनाकर लैंगिक समानता के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने में एक उत्प्रेरक के रूप में काम किया है। इस समारोह में छात्रों द्वारा महिला उपलब्धि हासिल करने वालों पर भाषणों और आत्मकथात्मक प्रस्तुतियों का भी आयोजन किया गया। प्रमुख विषयों में विज्ञान, उद्यमिता, रक्षा, खेल, साहित्य, समाज सेवा और कला के क्षेत्र में उपलब्धि शामिल थी।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्रों ने उपलब्धि हासिल करने वालों से प्रोत्साहन पाया और स्वयं की क्षमताओं

में विश्वास विकसित करने की प्रेरणा ली। उच्च लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आत्म विश्वास, प्रेरणा और आकांक्षा का मूल्य जो राष्ट्र निर्मा णकी ओर ले जा सकता है और जीने के लिए उच्च उद्देश्य को दर्शा ताहै, वह सबसे बड़ा सीखने का परिणाम था जिसे भाग लेने वाले छात्रों ने व्यक्त किया। संस्थानों ने महिलाओं के जीवन और उपलब्धियों पर प्रदर्शनियों की स्थापना की है, जो महीने के अंत तक उत्सव के सप्ताह भर के विस्तार के रूप में जारी रहेंगी। स्थानीय सभी निवासी के लिए प्रदर्शनियों को खुला रखा गया है। जैसा कि माननीय राष्ट्रपति मुर्मू ने उल्लेख किया है 'महिला सशक्तिकरण और समानता अब केवल नारे नहीं हैं और उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का यकीन है कि महिलाएं राष्ट्र को आकार देने में अधिकतम योगदान देंगी'। उच्च और तकनीकी संस्थानों द्वारा 'कर्तव्य पथ' पर मनाए जाने वाले विषय के साथ सरेखण में की गई पहल का समर्थन समग्र और सामाजिक समावेश की संस्कृति को स्थापित करता है जो किसी भी प्रकार के लिंग आधारित पूर्वा ग्रहों से मुक्त है।

दादर के आरए रेजीडेंसी टावर में लगी आग

मुंबई। मुंबई के दादर ईस्ट इलाके के आरए रेजीडेंसी टावर (RA Residency tower) में देर रात आग लग गई. मध्य मुंबई के दादर में एक बहुमंजिला इमारत की 22वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में बृहस्पतिवार रात आग लग गई। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस घटना में अभी किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। अधिकारी ने कहा कि 42 मंजिला आवासीय इमारत की 22वीं मंजिल पर रात करीब साढ़े आठ बजे बंद पड़े एक फ्लैट में आग लग गई। उन्होंने बताया कि इमारत की अग्निशमन प्रणाली काम नहीं कर रही थी और दमकल एवं पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद हैं।अधिकारी ने कहा कि छह दमकल गाड़ियों और 90 मीटर ऊंची एक क्रेन सहित अन्य उपकरणों की मदद से आग बुझाने का अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारण का तत्काल पता नहीं लग सका है।

नरेश लालवानी होगें मध्य रेल के नये महाप्रबंधक

गणेश पाण्डेय मुंबई:
मध्य रेल के महाप्रबंधक के रूप मे नरेश लालवानी ने पदभार संभाल लिया है। वे 1985 परीक्षा बैच के भारतीय रेलवे इंजीनियरिंग सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं। मध्य रेल के महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार संभालने से पहले ये पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक और मुख्य सतर्कता अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। इनकी नियुक्ति अशोक कुमार मिश्र महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे के स्थान पर हुई है जो मध्य रेल के महाप्रबंधक का भी अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे। लालवानी ने 1985 में गोविंदराम सेकसरिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, इंदौर से स्नातक उपाधि प्राप्त की और 2010 में भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर से

बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन पूरा किया। लालवानी को निर्माण और ओपन लाइन के परिचालन दोनों में गहन अनुभव प्राप्त है। इन्हें भारतीय रेलवे में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने का समृद्ध अनुभव है। असम के लुमडिंग से अपने करियर की शुरुआत करते हुए इन्होंने 10 साल तक नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे में काम किया है। इसके बाद ये पश्चिम रेलवे में अहमदाबाद और मुंबई मंडलों में विभिन्न पदों पर कार्य किए हैं। लालवानी ने रेलवे अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए इंडियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ सिविल इंजीनियरिंग, पुणे में प्रोफेसर के रूप में भी काम किया है। लालवानी को कॉन्ट्रैक्ट्स एंड आर्बिटेशन सेफ्टी एंड मैनेजमेंट डेवेलपमेंट के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल हैं। ये मुख्य अभियंता (ट्रैक मशीन), मध्य रेल, मंडल रेल प्रबंधक, पालक्काड मंडल, दक्षिणी रेलवे के रूप में भी कार्य किये हैं।ये चीन और फ्रांस में प्रबंधन प्रशिक्षण, ऑस्ट्रिया और इटली में ट्रैक मशीन प्रशिक्षण, अमेरिका में नेतृत्व प्रशिक्षण और ऑस्ट्रिया में सतर्कता प्रशिक्षण भी प्राप्त किए हैं।

इंडिया में लागू हुआ कैंसर के मरीजों के लिए इंश्योरेंस का लाभ - डॉ जमाल ए खान

मुम्बई। डॉ जमाल ए खान (एमबीबीएस, एमडी) विश्व प्रसिद्ध कैंसर विशेषज्ञ हैं और कैंसर इम्यूनोथेरेपि के स्पेशलिस्ट हैं जो इम्यूनोथेरेपी के द्वारा कैंसर के मरीज़ों को ठीक कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब इंडिया में कैंसर के मरीज़ इंश्योरेंस का फायदा उठा पाएंगे। डॉ जमाल ए खान ने कहा मुझे बहुत खुशी हो रही है कि डेनवैक्स क्लिनिक में इंश्योरेंस की सभी पॉलिसी लागू हैं। अब कैंसर के मरीज़ इसका लाभ उठा पाएंगे उन्हें इसका पूरा-पूरा लाभ मिलेगा। आपको बता दें कि एक पुत्र अपनी कैंसर की मरीज़ माता को कई जगह दिखाया। उन्हें हर जगह से निराशा हाथ लगी पर जब उन्होंने डॉ जमाल ए खान स्पेशलिस्ट को दिखाया और उनसे इलाज करवाया और वो ठीक हो गई। मध्य प्रदेश राज्य के मंदसौर के रहने वाले करण ने बताया कि मेरी मम्मी को 2021 में गले में दिक्कत हुई जिसके कारण श्वास नली के अंदर खाना अटकने लगा था। मंदसौर में एक

डॉक्टर को दिखाया तो उन्होंने कहा गले में इन्फेक्शन है बस और 9 महीने दवा चली वहां से कुछ भी आराम नहीं मिला। उसके बाद उदयपुर में दिखाया, 3 महिने वहां दवा चली डॉ ने बोला नली सिकुड़ गई है। वहाँ भी कुछ आराम नहीं हुआ। फिर इंदौर गए वहां दिखाया, फिर होम्योपैथिक ट्रीटमेन्ट करवाया। वहाँ भी आराम ना मिलने के कारण वहां से वडोदरा गए वहां भी कोई आराम नहीं हुआ और हालत खराब हो गई। दुबारा इंदौर गए दूसरे अस्पताल में दिखाया, जाँच करवाई फिर पता चला कि कैंसर कि बीमारी है। डॉ ने कहा कीमो लगेंगे, 3 कीमो लगवाए फिर उन्होंने रेडियेशन करवाया फिर उसके बाद भी 6 कीमो और लगे फिर भी आराम नहीं हुआ और हालत बहुत खराब हो गई, खाना - पीना यहा तक कि थूक भी गले से नीचे नहीं उतर रहा था। बिल्कुल जाम हो चुका था। रेडियेशन होने के 1-2 महीने बाद हम घर आ गए थे, हालत खराब हो चुकी थी। फिर मैंने यूट्यूब पर कैंसर की बीमारी के बारे में सर्च किया तब मुझे डॉ जमाल ए खान का वीडियो दिखा। मैंने उनका इम्यूनोथेरेपि का वीडियो देखा। इससे पहले मैं इम्यूनोथेरेपि के बारे मे नहीं जानता था कि इम्यूनोथेरेपि क्या है? उनका एक वीडियो देखने के बाद मैंने सारे वीडियो देखे और परिवार मे भी दिखाया। सबको तथा मुझे पूरा विश्वास हो चुका था कि यहाँ के इलाज से मेरी मम्मी पूरी तरह ठीक हो जाएंगी। सबने कहा कि ये ट्रीटमेन्ट करवा लेते हैं। फिर मैंने यूट्यूब से नंबर निकाल कर डॉ साहब से बात की और सारी रिपोर्ट भेजी। पहले डॉ जमाल साहब से वीडियो कॉल पर बात हुई उन्होंने सब समझाया ब्लड कलेक्शन के बारे में बताया और समझाया। फिर ब्लड कलेक्शन हुआ और पहली डोज जैसे ही लगी मेरी मम्मी में थोड़ा सुधार दिखने लगा और धीरे-धीरे मम्मी बिल्कुल ठीक हो गईं। डॉ जमाल ने मेरी मम्मी को ठीक करके एक नई उम्मीद दिखा दी है। डॉ जमाल ए खान के द्वारा देश भर मे कैंसर के मरीज़ अपना इलाज करवा रहे हैं और अब उन्हें बहुत खुशी है कि कैंसर के मरीज़ों को कंपनियाँ इंश्योरेंस भी दे रही है।

भिवंडी में दो मंजिला इमारत गिरी, एक की मौत

मुंबई । भिवंडी के खाड़ी इलाके में दो मंजिला इमारत ढहने (Building Collapsed) की घटना हुई है। इस घटना में एक शख्स की मौत हो गई है। नागरिकों ने खतरनाक भवनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भिवंडी शहर के मूलचंद कंपाउंड (Mool Chand Compound) में एक पुरानी जी प्लस टू बिल्डिंग आज तड़के ढह गई। यह 30 से 35 साल पुरानी इमारत थी। बिल्डिंग के नीचे 8 दुकानें थीं। ये सभी दुकानें मलबे के नीचे दब गईं। इनमें से एक कपड़े की दुकान थी। रात में उसके दुकानदार वहीं सो गए थे। वे मलबे के नीचे दब गए। फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। उन्हें मलबे से बाहर निकाला गया लेकिन उनकी दर्दनाक मौत हो गई। फिलहाल बचाव कार्य चल रहा है। पुलिस मौके पर पहुंच गई है। खतरनाक इमारतों को नोटिस जारी किए गए हैं। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। इसलिए ऐसी घटनाएं होती हैं। ऐसी चर्चा नागरिकों में है।

दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान को कला संस्कृति फाउंडेशन द्वारा किया गया सम्मानित

मुंबई। कला संस्कृति फाउंडेशन द्वारा मुंबई में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। होटल पेनिसुला में आयोजित सम्मान समारोह में दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय एल. दुबे, धडक कामगार युनियन के संस्थापक अभिजीत राणे, आत्मनिर्भ र भारत के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष रामकुमार पाल, समाजसेविका मंजू लोढ़ा व समाजसेवक अनिल मुरारका को इंस्पायर पर्सनलिटी अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर धरा एम्बेसडर राजा भाउ सेठ, प्रधानमंत्री आत्मनिर्भ र अभियान के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार पाल, वैक पीपल काउंसिल के संस्थापक डॉ विजय डी बजाज, कवयित्री शिखा दीप्ति, त्रियोगी नारायण पाण्डेय, मानद कुलपति सौहार्द शिरोमणि डॉ सौरभ पाण्डेय, ख्यातिनाम लेखिका डॉ. निक्की शर्मा, सैयद सादान, मुदित आर्या को भी सम्मानित किया गया।कला संस्कृति फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्ष शीला शर्मा ने बताया कि ऐसे सेवानिवृत्त राजकीय कर्म चारी जिन्होंने कोविड काल में अपनी जिम्मेदारी इंसानियत के नाते सेवाभाव निभाई और जिम्मेदारी निभाते हुए दिव्यांग हो गयें तथा जिन्होंने कला संस्कृति फाउंडेशन के लिए अपनी सेवा किसी ना किसी रूप से दी हो उनका भी सम्मान किया गया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री हाजी अरफात शेख, शौर्य चक्र विजेता कारगिल योद्ध्या नायक दीप चंद गुप्ता, डॉ विजय डी बजाज, भारत के वीर सैनिक कमांडो हवलदार मंगेश सुर्वे, मुंबई में हुए 26/11 के वीर सहायक पुलिस उपनिरीक्षक मंगेश नायक व कैप्टन प्रदीप पटनायक सहित काफी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित थे। अंत में फाउंडेशन की अध्यक्ष शीला शर्मा ने सभी गणमान्यजनों का आभार व्यक्त करते हुये कहा की समाज में पत्रकारों और समाजसेविजनों की भी अहम भुमिका है। कारगिल योद्धाओं के साथ साथ समाजसेवी लोगों का भी सम्मान करना सुखद पल रहा है। समाज में इनकी अहम भुमिका सदा रही है और रहेगी।

प्रतिबंधित प्लास्टिक की थैलियों धीमी पड़ी कार्रवाई फिर होगी तेज

मुंबई। फेरीवालों और दुकानदारों सहित मॉल आदि में प्रतिबंधित प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग खुले आम दिखाई देने लगा है। फेरीवालों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत कर्ज दिलाने में जुटे मनपा कर्मी फिर एक बार प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करने वालो पर कार्रवाई करने के लिए तैयार हो गए है। मनपा के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मनपा कर्म चारियों के पास कार्रवाई करने का समय नहीं होने एक फायदा उठाकर प्रतिबंधित पल्स्टिक का उपयोग धड़ल्ले से किया जाने लगा था। मनपा के लाइसेंस विभाग के अधिकारी एक बार फिर कठोर कार्रवाई करते दिखाई देंगे। बता दे कि दुकानदार हॉकर्स और सब्जी बेचने वाले प्रतिबंध के बावजूद धड़ल्ले से प्लास्टिक की थैली का इस्तेमाल कर रहे हैं। शराब की दुकानों और मॉल में भी प्रतिबंधित प्लास्टिक की थैली का इस्तेमाल जोर शोर से हो रहा है। मुंबई में 1 जुलाई 2022 से प्रतिबंधित प्लास्टिक के इस्तेमाल पर पाबंदी के बावजूद मनपा इस पर रोक लगाने में नाकाम रही है। मनपा के अधिकारी खुद मान रहे हैं कि प्रतिबंधित थैली के खिलाफ जिस तरह कार्रवाई करनी चाहिए वैसी हो नहीं पा रही है। इसलिए दुकानदार, हॉकर्स और सब्जी विक्रेता लोगों को प्लास्टिक की थैली में सामान दे रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि शराब की दुकान और मॉल्स में भी प्लास्टिक की थैली के इस्तेमाल की शिकायत मिली है। शराब की दुकानों पर लोग बोतल और बॉटली खरीद रहे हैं जिसे दुकानदार काली थैलियों में लोगों को दे रहे हैं। वहीं मॉल्स में ग्रोसरी के सामान प्लास्टिक की थैलियों में दिए जा रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस तरह की शिकायतें भी आने लगी है जिससे अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इसके खिलाफ वे अभियान चलाएं। शराब की दुकानों (liquor stores) और मॉल्स (malls) में जाकर चेक करें और दोषी पाए जाने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। साथ ही कितनी कार्रवाई हुई इसकी अगले सप्ताह रिपोर्ट सौंपे। बीएमसी ने 1 जुलाई 2022 से 23 जनवरी 2023 के बीच कार्रवाई करते हुए 4086 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त किया है।

असंवैधानिक तरीके से निगम पर कब्जा रखना चाहती है भाजपा : भारद्वाज

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम मेयर चुनाव जल्द कराने को लेकर आप की मेयर पद की उम्मीदवार शैली ओबरॉय की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट तीन फरवरी को सुनवाई करेगा। 'आप' के वरिष्ठ नेता व विधायक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पूरे देश में यह बात साफ हो गई कि 'आप' मेयर का चुनाव कराना चाहती है, लेकिन भाजपा असंवैधानिक तरीके से निगम पर अवैध कब्जा कायम रखना चाहती है। उन्होंने कहा कि हमने सुप्रीम कोर्ट में निगम के समय से मेयर, डिप्टी मेयर और स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव कराने की मांग की है। हमारी याचिका सुप्रीम कोर्ट में मंजूर हो गई है और तीन फरवरी को सुनवाई होगी। उन्होंने कहा कि निगम में भाजपा कब्जा नहीं छोड़ेगी इसलिए हमें सुप्रीम कोर्ट का रुख करना पड़ा है।
'आप' विधायक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली नगर निगम में जल्द मेयर, डिप्टी मेयर और स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव कराने और मनोनीत पार्षदों (एल्डरमेन) के वोट पर रोक लगाने को लेकर याचिका दाखिल की गई थी।

झूठी घोषणा के लिए व्यापारियों से माफी मांगे मुख्यमंत्री : कपूर

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने राजधानी के पांच प्रमुख बाजारों को पुनर्विकसित करने के दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की घोषणा को भ्रामक बताते हुए व्यापारियों से माफी मांगने की मांग की है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने कहा है कि वर्ष 2022-23 के रोजगार बजट के बाद उन्होंने घोषणा की थी कि 28 जनवरी से 26 फरवरी तक दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय व्यापार महोत्सव शुरू किया जाएगा।

पीएम मोदी आगामी लोकसभा चुनाव में सभी रिकॉर्ड तोड़ देंगे : शिंदे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में सभी रिकॉर्ड तोड़ देंगे और राजग की सत्ता भारी बहुमत से बरकरार रहेगी। प्रधानमंदी मोदी के परीक्षार्थियों से सालाना संवाद कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा के लाइव स्ट्रीमिंग में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री शिंदे संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा संबोधित किए गए इस कार्यक्रम को शिंदे ने शहर के किसान नगर स्थित एक पालिका स्कूल में देखा जहां कभी उन्होंने पढ़ाई की थी। पालिका स्कूल का पढ़ा विद्यार्थी होने पर उन्हें स्वयं पर गर्व है। अगामी लोकसभा चुनाव को लेकर एक मीडिया हादस द्वारा किए गए हालिया सर्वेक्षण से जुड़े सवाल पर शिंदे ने सीधा जवाब दिया। पीएम मोदी आगामी लोस में सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर देंगे और राजग भारी बहुमत से अपनी सत्ता को बरकरार रखेगा।

देश के 53 टाइगर रिजर्व में 2,967 बाघ हैं: केंद्र ने एससी को दी जानकारी

नई दिल्ली।केंद्र ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि 2018 की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश के 53 टाइगर रिजर्व में 2,967 बाघ हैं। शीर्ष न्यायालय अधिवक्ता अनुपम त्रिपाठी द्वारा 2017 में दायर की गई एक याचिका पर सुनवाई कर रही है। याचिका में विलुप्तप्राय बाघों को बचाने का अनुरोध किया गया है, जिनकी संख्या देश में घटती जा रही है। अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने न्यायमूर्ति के.एम. जोसेफ और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ को बताया कि बाघों के संरक्षण और उनकी संख्या बढ़ाने के लिए काफी कार्य किया गया है।शीर्ष न्यायालय ने इस दलील का संज्ञान लिया और विषय को मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया क्योंकि त्रिपाठी न्यायालय में उपस्थित नही थे। पीठ ने कहा, एएसजी ऐश्वर्या भाटी की दलील सुनी।

अभियान को अंजाम देते समय सबूत के बारे में नहीं सोचती सेना

पाकिस्तान में 2016 में किए गए सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत की कुछ विपक्षी नेताओं की मांग के बीच थलसेना की पूर्वी कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल आर पी कालिता ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी अभियान को अंजाम देते समय सेना कभी भी कोई सबूत रखने के बारे में नहीं सोचती। सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत की मांग कर रहे कुछ विपक्षी नेताओं की हाल की मांगों पर यहां पत्रकारों के एक राजनीतिक सवाल का जवाब देने से इनकार करते हुए उन्होंने कहा कि देश भारतीय बलों पर भरोसा करता है। प्रेस क्लब, कोलकाता में प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में उन्होंने कहा, 'यह एक राजनीतिक सवाल है। इसलिए मैं इस पर टिप्पणी करना पसंद नहीं करता। मुझे लगता है कि देश भारतीय सशस्त्र बलों पर भरोसा करता है। यह पूछे जाने पर कि क्या अभियान के दौरान सेना कोई सबूत रखती है, उन्होंने न में जवाब दिया।

न्यायपालिका को पीएमओ का हिस्सा बनाने की कोशिश की जा रही है: कांग्रेस

कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि देश में अघोषित आपातकाल है और न्यायपालिका को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का हिस्सा बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य देश के सामने ऐसे खतरों को उजागर करना है। रमेश ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यात्रा का उद्देश्य बढ़ती आर्थिक विषमता को उजागर करना, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर चुनावी लाभ के लिए कथित रूप से सामाजिक ध्रुवीकरण करने और देश में व्याप्त राजनीतिक तानाशाही को चिह्नित करना है। रमेश ने भारत और चीन के बीच सीमा गतिरोध का जिक्र करते हुए कहा, देश में अघोषित आपातकाल है। एक व्यक्ति का शासन है, संसद की अनदेखी की जा रही है, संसद में बहस नहीं होती है। हमारी सीमाओं पर खतरा इस बात का उदाहरण है, जिस पर ढाई साल बीत जाने के बावजूद चर्चा नहीं हो पाई है।संविधान की अनदेखी की जा रही है, संवैधानिक निकायों को कमजोर किया जा रहा है और न्यायपालिका को नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। हर दिन टिप्पणियां की जा रही हैं, न्यायपालिका को पीएमओ का हिस्सा बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उनकी टिप्पणी उच्चतर न्यायपालिका में नियुक्तियों के मुद्दे पर चल रही बहस की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें सरकार वर्तमान कॉलेजियम प्रणाली पर सवाल उठा रही है और उच्चतम न्यायालय इसका बचाव कर रहा है।

राजस्थान में भगवान देवनारायण जयंती पर राजकीय अवकाश घोषित

जयपुर।राजस्थान सरकार ने भगवान देवनारायण की जयंती (शनिवार, 28 जनवरी) पर राज्य में राजकीय अवकाश घोषित किया है। आमजन की आस्था और जनप्रतिनिधियों की मांग को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यह निर्णय लिया है।
उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को भीलवाड़ा जिले के आसींद के गांव मालासेरी में गुर्जर समाज के लोकदेवता भगवान देवनारायण के 1111वें प्राकट्योत्सव में शामिल होंगे। मोदी के राजस्थान दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की गई है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।